।। श्री हरि शरणम्।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 344

रायसेन

शुक्रवार, 12 जून 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा 2026 का परिणाम आज

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष-2026 का परीक्षा परिणाम 12 जून 2026 को घोषित किया जाएगा। यह परिणाम शाम 4 बजे जारी किया जाएगा। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम मंडल की आधिकारिक वेबसाइट mpbse.mponline.gov.in पर जाकर देख सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने निर्विरोध निर्वाचित राज्यसभा सदस्यों को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए प्रत्याशियों तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि तीनों निर्वाचित सदस्य राज्यसभा में जनता के हितों, जनभावनाओं और विकास से जुड़े विषयों को प्रभावी रूप से उठाएंगे और देश और प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

14 जून को योग सत्र में हर नागरिक हो शामिल : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समस्त प्रदेशवासियों से ऑनलाइन योग सत्र में शामिल होने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसने आज सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक जनआंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। आज अनेक राष्ट्र योग के महत्व को स्वीकार और अंगीकार कर चुके हैं। योग दिवस 21 जून पर अनेक आयोजनों के साथ ही 14 जून को विशेष ऑनलाइन सत्र आयोजित किया जा रहा है। बीस मिनिट के इस ऑनलाइन सत्र में कोई भी नागरिक हिस्सा ले सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : 2026 के सातवें काउन्ट डाउन के अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 14 जून, 2026 को प्रात: 06 :15 बजे से 07 :35 बजे तक एक विशेष ऑनलाइन योग सत्र के आयोजन का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को योग से जोड़ते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं निरोग समाज का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों, विद्यार्थियों, शासकीय सेवकों एवं सामाजिक संगठनों से आग्रह किया है कि वे इस ऑनलाइन योग सत्र में अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनें और योग को अपनी दैनिक जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाएं।

राज्यसभा चुनाव : 10 भाजपा, 4 कांग्रेस, 3 टीडीपी और 1 जनसेना के खाते में

राज्यसभा-चुनाव से पहले 26 में से 18 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

राज्यसभा में NDA को बहुमत से 25 सीटें ज्यादा

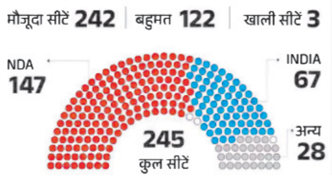

मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन खेड़ा शामिल; शेष सीटों पर 18 जून को होगा मतदान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राज्यसभा की 26 सीटों में 18 पर निर्विरोध उम्मीदवार चुने गए हैं। इनमें 10 भाजपा, 4 कांग्रेस, 3 TDP और 1 जनसेना से है। चुनाव जीतने वालों में कर्नाटक से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मीडिया व प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा का नाम शामिल है।

इन 18 सीटों में से भाजपा को 2 सीटों का फायदा हुआ है। मध्यप्रदेश में 3 सीटें खाली हुई थीं, इनमें 2 भाजपा और 1 सीट कांग्रेस के पास थी। वहीं, गुजरात में 4 सीटें खाली हुई थीं। इनमें 3 भाजपा और 1 कांग्रेस के पास थी। बाकी 8 सीटों पर 18 जून को वोटिंग होगी। अब दोनों राज्यों की 7 सीटों पर भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं।

देशभर की राज्यवार स्थिति

महाराष्ट्र और तमिलनाडु में उपचुनाव, एनडीए की एक सीट कम होगी: महाराष्ट्र में एनसीपी सुनेत्रा पवार और तमिलनाडु में AIADMK के सीवी षणमुगम के इस्तीफे से खाली हुई सीटों पर उपचुनाव होंगे। महाराष्ट्र की सीट एनडीए के खाते में आ सकती है। वहीं तमिलनाडु की AIADMK की सीट सत्ताधारी पार्टी TVK को मिल सकती है। TVK को कांग्रेस का समर्थन है।

आंध्रप्रदेश में 4 सीटें, चारों एनडीए को: आंध्र प्रदेश में तीन सीटें YSRCP के पास हैं, एक TDP के पास है। अब एनडीए चारों सीटें जीत सकती है।

गुजरात में 4 सीटें, चारों एनडीए को: गुजरात में तीन भाजपा और एक कांग्रेस के पास है। चुनाव में भाजपा चारों सीटें जीती हैं।

झारखंड में 2 सीटें, दोनों INDIA को: झारखंड में दो सीटें हैं। एक सीट भाजपा के पास है। एक खाली है। दोनों सीटें JMM-कांग्रेस गठबंधन को मिल सकती हैं। लेकिन भाजपा के पास 21 विधायक हैं। चार विपक्षी सदस्यों की क्रॉस वोटिंग अगर हो गई तो वह एक सीट जीत सकती है।

कर्नाटक में 4 सीटें, कांग्रेस को तीन, एनडीए को एक: कर्नाटक में अभी एनडीए के पास तीन, कांग्रेस के पास एक सीट हैं। चुनाव में कांग्रेस तीन सीटें जीत गई है। वहीं एनडीए एक सीट मिली है।

मणिपुर-अरुणाचल में भाजपा के खाते में दो सीटें: मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में एक-एक सीट खाली हो रही हैं। दोनों भाजपा के पास हैं, पार्टी फिर इन्हें हासिल कर सकती है। मिजोरम में अभी मिजो नेशनल फ्रंट के पास एक सीट है, जो जोरम पीपल्स मूवमेंट जीत सकती है। मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी अपनी सीट बचाने में कामयाब हो सकती है।

मप्र में भाजपा के 3 उम्मीदवारों को मिला जीत का प्रमाण पत्र

भोपाल। राज्यसभा चुनाव 2026 में मध्य प्रदेश भाजपा के तीनों उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। चुनाव आयोग ने गुरुवार को तीनों को निर्वाचन सर्टिफिकेट दे दिए हैं। चुनावी नियमों के अनुसार सीटों के बराबर उम्मीदवार शेष रहने पर उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भाजपा की जीत का रास्ता साफ हो गया था। मध्य प्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को मतदान प्रस्तावित था। इस चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका तब लगा जब उसकी उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन जांच के दौरान निरस्त कर दिया गया। इसके खिलाफ कांग्रेस ने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया, लेकिन चुनाव प्रक्रिया पर तत्काल रोक नहीं लगी।

नटराजन का नामांकन निरस्त:राष्ट्रपति से मिलने की तैयारी में कांग्रेस

भोपाल। राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के विरोध में कांग्रेस ने रोशनपुरा चौराहे पर एक दिवसीय उपवास और धरना दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को दिल्ली में मप्र के विधायकों की बैठक बुलाई है। इस दौरान कांग्रेस विधायक राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे, जिसके लिए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पत्र लिखा है। धरने में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा जोड़-तोड़ में असफल होने के बाद यह दांव खेल रही है।

राजस्थान में 3 सीटें, दो भाजपा, एक कांग्रेस को

राजस्थान में भी तीन सीटें हैं। जिसमें से दो भाजपा और एक कांग्रेस के पास है। यहां कोई बदलाव नहीं होगा।

मप्र समावेशी विकास, नवाचार और जनकल्याण के दृढ़ संकल्प के साथ निरंतर बढ़ रहा आगे : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गुरूवार को नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में सभी वर्गों के विकास के लिए किए जा रहे विशेष प्रयत्नों से अवगत करवाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि काउंसिल की बैठक में 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र और राज्यों की साझी भागीदारी, समन्वित प्रयासों तथा विकास के विभिन्न आयामों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश भी विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए सुशासन, समावेशी विकास, नवाचार और जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की इस बैठक में मुख्यतः 'मूलभूत मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल', 'उत्पादक रोजगार, उद्यमिता और विकेंद्रीकृत विकास', 'स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण' एवं 'सभी के लिए समानता और गरिमा' से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब देंगे विकास को गति

सीएम डॉ. यादव ने बैठक में जानकारी दी कि प्रदेश को नक्सलवाद का खात्मा केंद्र सरकार द्वारा तय की गई समय-सीमा से पहले करने में सफलता मिली है। प्रदेश के जो क्षेत्र नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां विकास की गति तेज की जाएगी। युवाओं के विकास पर विशेष रूप से जोर रहेगा। इसके साथ ही प्रदेश में बहनों और बेटियों की उन्नति, कृषक कल्याण, नए मेडीकल कॉलेजों के माध्यम से उपचार कार्य को गुणवत्तापूर्ण बनाते हुए बेहतर कार्य हो रहा है। इसी तरह आरोग्य मंदिर सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आयुष्मान योजना के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश अग्रसर है। नदी जोड़ो परियोजनाओं के क्रियान्वयन की तैयारी की गई है। पीएमश्री महाविद्यालयों के माध्यम से युवाओं को अनेक संकायों और विषयों के अध्ययन से जोड़ा गया है। कौशल विकास और औद्योगिकीकरण के प्रयास तेज हुए हैं। देश में सबसे पहले पीएम मित्र पार्क की धार जिले में स्थापना हुई है, यहां शीघ्र ही इकाइयों द्वारा रिकार्ड समय में कार्य प्रारंभ हो रहा है। भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के वेस्ट को निष्पादित करने के साथ ही प्रदेश में जनकल्याण की दृष्टि से अनेक नए कार्य प्रारंभ करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

अंतर्मना उवाच

अथाह भीड़ की आपाधापी में, अपना कोई नहीं होता..!

*हमने अपनों को जितना समय दिया है, काश उसका केवल **10 प्रतिशत समय** भी स्वयं को दिया होता, तो यू शायद मनुष्य इतना दु:खी, परेशान और डिप्रेशन का शिकार न होता। **जीवन के दो मार्ग हैं – एक भीतर का मार्ग, दूसरा बाहर का मार्ग...***

- ***भीतर के मार्ग** में सुख है, शांति है, आनंद है, बहार है। वहाँ हर दिन एक उत्सव है, हर क्षण एक त्योहार है।*
- ***बाहर के मार्ग में** – दु:ख, परेशानी, टेंशन, उलझन और केवल भागमभाग है। जहाँ न कोई स्पष्ट लक्ष्य है, न कोई मंज़िल।*

*यह जीवन मानो **कोल्हू के बैल** की यात्रा बन गया है – **चलना तो लगातार हो रहा है, पर पहुँचना कहीं भी नहीं हो पा रहा।***

*आज का मनुष्य ना अपनों से, ना अपने कार्यों से खुश हैं, और ना संतुष्ट। जिससे भी बात करो या पूछो – **बाबू, क्या आप अपने व्यापार से खुश हैं..?** उत्तर प्राय: **'नहीं'** ही मिलता है। नौकरी करने वाले से पूछो – **क्या आप अपने कार्य से संतुष्ट हैं..?** वहाँ भी वही असंतोष। बच्चों से पूछो – **क्या पढ़ाई में आनंद आता है..?** पति से पूछो – **क्या आप अपनी पत्नी से खुश हैं..?** पत्नी से पूछो – **क्या आप अपने पति से संतुष्ट हैं..?** सास बहू से खुश नहीं, बहू सास से प्रसन्न नहीं। कहने का मतलब है -- **जीवन सब जी रहे हैं, परंतु कोई भी न स्वयं से खुश है, न संतुष्ट।** इतनी मेहनत, इतना संघर्ष, इतना धन कमाने के बाद भी मन में केवल अफसोस और असंतोष क्यों है..? यदि आप किसी से पूछो – **आपके जीवन का अंतिम लक्ष्य क्या है..?** तो अधिकतर लोगों के पास कोई उत्तर नहीं होता। यदि पूछो -- **कितने करोड़ रुपये कमाने के बाद आप सुख और शांति से जीवन जी पाएँगे..?** तो वहाँ भी मौन ही मिलता है।*

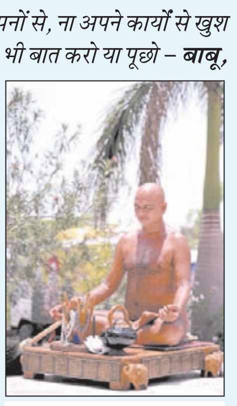

अतिशय क्षेत्र वागोल पार्श्वनाथ जी, जिला, बाँसवाडा (राज)। कडक धूप, भीष्ण गर्मी, 42डिग्री तापमान में 60 मिनिट का उत्कृष्ठ तप करते तपस्वी सम्राट अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज

आप स्वयं विचार करना** – जब धन कम था, तब सुख अधिक था या आज धन बढ़ने के साथ दु:ख भी बढ़ गए हैं..!! **पहले का मनुष्य अभाव में भी सुखी था, आज का मनुष्य सद्भाव और साधनों के बीच भी दु:खी और परेशान है।** हर व्यक्ति अपने जीवन और अपने ही मन से संघर्ष कर रहा है। न कोई स्पष्ट उत्तर है, न कहीं स्थायी समाधान। सिर्फ समझदारी, आत्मचिंतन और संतोष ही जीवन का वास्तविक समाधान हैं। अन्यथ: **ऐसे ही न जाने कितनी ज़िंदगियाँ जी ली जाएँगी, पर समस्या वही रहेगी, परेशानी वही रहेगी, और मन की अशांति भी वैसी ही बनी रहेगी...!!!

■अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मप्र सब्जी उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर पहुंचा, चार वर्षों में हुई 21.58 लाख मीट्रिक टन की अभूतपूर्व वृद्धि

भोपाल। मध्य प्रदेश ने सब्जी उत्पादन में एक नई उपलब्धि हासिल की है। विगत चार वर्ष में प्रदेश के सब्जी उत्पादन में लगभग 21.58 लाख मीट्रिक टन की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मध्य प्रदेश इस समय देश में सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है।

नीति आयोग की बैठक में पीएम मोदी का मंत्र

हर हाथ को हुनर देना अब पहली शर्त, कौशल विकास सबसे ज्यादा जरूरी, प. बंगाल को लेकर भी हुई चर्चा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश को साल 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के संकल्प के साथ राष्ट्रपति भवन में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बेहद महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित इस महामंथन में देश के सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और प्रशासक शामिल हुए। नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसमें हुए प्रमुख फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुबह 10 बजे शुरू हुई यह बैठक शाम साढ़े छह बजे तक चली, जिसमें समावेशी मानव विकास और देश की आर्थिक-सामाजिक उन्नति को लेकर गहन चर्चा की गई।

रोजगार और कौशल विकास पर जोर- बैठक के बारे में जानकारी देते हुए नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि पीएम और मुख्यमंत्रियों ने रोजगार के मुद्दे पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल विकास सबसे ज्यादा जरूरी है। लाहिड़ी के मुताबिक, उद्योगपतियों की अक्सर शिकायत रहती है कि उन्हें बाजार की जरूरत के हिसाब से लोग नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम 1990 या 2000 के दशक की पुरानी तकनीकों के भरोसे नहीं बैठ सकते। जैसे तकनीक बदल रही है, हमें नए हुनर सीखने होंगे। इसके लिए आईटीआई और इंजीनियरिंग संस्थानों को उद्योगों की मांग के हिसाब से तालमेल बिठाना होगा।

पश्चिम बंगाल और ऊर्जा संकट पर मंथन

बैठक में पश्चिम बंगाल को लेकर पूछे गए सवाल पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा कि राज्य के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने वहां के इतिहास का हवाला देते हुए मदद की बात जरूर उठाई, लेकिन इस पर कोई बहुत विस्तृत या ठोस चर्चा नहीं हुई। उन्होंने याद दिलाया कि वह खुद सात मई तक पश्चिम बंगाल से विधायक थे। इसके अलावा, बैठक में बिजली की कीमतों और ऊर्जा सुरक्षा पर लंबा मंथन हुआ। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों ने घरों, स्कूलों और अस्पतालों की छतों पर सोलर पैनल लगाने पर जोर दिया, ताकि ग्रिड पर निर्भरता और सब्सिडी का बोझ कम हो सके। कई सदस्यों ने यह भी कहा कि तकनीक बदलने के कारण अब परमाणु ऊर्जा पूरी तरह सुरक्षित है और हमें चेरनोबिल जैसी घटनाओं से डरने की जरूरत नहीं है।

छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने 'मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना' का किया अध्ययन

भोपाल ■ प्रतिनिधि

'मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना' के क्रियान्वयन संबंधी जानकारी लेने और इसमें विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिये छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन के अधिकारियों का एक दल मध्यप्रदेश भ्रमण पर है। इस दल ने गुरूवार को खाद्य संचालनालय में अधिकारियों से योजना की कार्य प्रणाली, परिवहन व्यवस्था, आईटी आधरित मॉनीटरिंग प्रणाली, संबंधित विभागों के बीच समन्वय, हित धारकों की भूमिका तथा खाद्यान वितरण व्यवस्था में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली।

अपर संचालक खाद्य एचएस परमार एवं अन्य अधिकारियों ने योजना के क्रियान्वयन के संबंध में पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया। छत्तीसगढ़ के दल में सहायक महाप्रबंधक आईटी एवं उपार्जन महेन्द्र साहू, उप सहायक महाप्रबंधक परिवहन मनोज वर्मा, उप सहायक महाप्रबंधक सार्वजनिक वितरण प्रणाली त्रिनाधा रेड्डी, वरिष्ठ सलाहकार सुशील तिवारी और सलाहकार संदीप हलदर शामिल हैं।

मुश्किल समय में ममता का साथ नहीं छोड़ूंगा : शत्रुघ्न सिन्हा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद तृणमूल कांग्रेस में अब तक की सबसे बड़ी टूट हो गई है। पार्टी के अंदर मची इस भगदड़ में कई बड़े नेताओं ने खुलेआम बगावत का झंडा बुलंद कर दिया है। एक तरफ जहां पार्टी के दर्जनों विधायक और सांसद ममता बनर्जी का साथ छोड़ रहे हैं, वहीं दिग्गज नेता और आसनसोल से सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बागियों के सुर में सुर मिलाने से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मुश्किल घड़ी में अपनी नेता के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद टीएमसी के भीतर असंतोष इस कदर बढ़ गया है कि 64 विधायकों ने ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में अपना एक अलग गुट बना लिया है। हालात ये हैं कि खुद ऋतब्रत विधानसभा में नेता विपक्ष की कुर्सी पर काबिज हो गए हैं।

होर्मुज से गुजर रहे जहाज पर अमेरिका का हमला, दो भारतीयों की मौत की पुष्टि

चीफ इंजीनियर अब भी लापता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास ओमान तट के पास वाणिज्यिक पोत 'एमटी सेट्टेबेलो' पर हुए हमले में दो भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) अभी भी लापता हैं। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया के महासचिव मनोज यादव ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और दावा किया कि अमेरिकी नौसेना को जहाज पर सवार क्रू की राष्ट्रीयता के बारे में पूरी जानकारी थी।

विदेश मंत्रालय ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए बताया कि जहाज पर सवार 24 भारतीय क्रू सदस्यों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान स्थित भारतीय दूतावास लापता नागरिकों की खोज के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय कर रहा है। लापता तीन में दो की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि चीफ इंजीनियर की तलाश जारी है।

मनोज यादव ने कहा कि पोत से संपर्क बुरी तरह से बाधित हो गया है और विवरणों की पुष्टि अभी भी की जा रही है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि जहाज से संपर्क स्थापित करने में असमर्थ रहे।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पाक सेना का खूनी खेल

रोटी मांग रहे निहत्थों पर एके-47 से बरसाई गोलिया; 16 नागरिकों की मौत

रावलकोट ■ एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के रावलकोट से एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया है। यहां पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स ने अपना क्रूर चेहरा दिखाते हुए निहत्थे नागरिकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं। जो लोग महज सस्ता आटा, चावल, बिजली और अपने बुनियादी अधिकारों की गुहार लगा रहे थे, उन्हें पाकिस्तानी हुक्मरानों ने मौत के घाट उतार दिया। रावलकोट के ईदगाह मैदान में 60 से 70 हजार की संख्या में आम लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जता रहे थे, तभी बिना किसी चेतावनी के सुरक्षाबलों ने भीड़ पर फायरिंग शुरू कर दी। इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन में महिलाएं और बच्चे भी भारी संख्या में मौजूद थे।

***खून से लाल हुई सड़कें, अब तक 53 बेगुनाहों की जा चुकी है जान-** इस बर्बर कार्रवाई के बाद रावलकोट की सड़कें और खेत निर्दोष लोगों के खून से लाल हो गए हैं। चारों तरफ अपनों के शव तलाशते बदहवास परिवार इस त्रासदी की गवाही दे रहे हैं। पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स ने निहत्थे लोगों पर सीधे-च-47 राइफलों से फायरिंग की, जिसमें हालिया हमले में कम से कम 16 नागरिकों की दर्दनाक मौत हो गई और 37 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।*

गोलियों से भी नहीं डरे लोग, आर-पार की लड़ाई का किया ऐलान

इतने बड़े खून-खराबे और सेना के खौफ के बावजूद प्रदर्शनकारियों के हौसले पस्त नहीं हुए हैं। हजारों की भीड़ अब भी रावलकोट में डटी हुई है और अपने हकों के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। गोलीबारी के बाद भारी भीड़ को संबोधित करते हुए आंदोलन के नेता सरदार अमान खान ने खुलेआम ऐलान कर दिया है कि यह संघर्ष अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। उन्होंने संकल्प लिया है कि चाहे कितना भी जान-माल का नुकसान क्यों न हो जाए, यह आंदोलन पीछे नहीं हटेगा।

उड़ता तीर

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार धानसे बने भारतीय पत्रकार संघ के जिला महासचिव

खरगोन। सक्रिय पत्रकार देवीसिंह धानसे को भारतीय पत्रकार संघ का जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके लंबे

अनुभव और पत्रकार हितों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति प्रदेश संयोजक आमिर शेख के प्रस्ताव, जिलाध्यक्ष प्रकाश भावसार की अनुशंसा, प्रदेश अध्यक्ष राकेश साहू के निर्देश और प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम कुशवाह की सहमति की गई। अपनी नियुक्ति पर धानसे ने प्रदेश पदाधिकारियों का आभार जताया। धानसे ने बताया कि एआईजे विगत 12 वर्षों से देश भर में पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा, सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए लगातार काम कर रहा है। संगठन पत्रकारों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाता है। संगठन की मंशा अनुरुप जिले में संगठन का विस्तार और सुदृढ़ीकरण करेंगे। नियुक्ति पर जिले के पत्रकारों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। पत्रकार साथियों ने धानसे को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन और मजबूत होगा।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, केस दर्ज

ग्वालियर। ग्वालियर के हजीरा थाना क्षेत्र में एक युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि युवक ने उसे अपने कमरे पर बुलाया, शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए और अब शादी से इनकार कर रहा है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हजीरा थाना क्षेत्र निवासी 19 वर्षीय युवती ने पुलिस को बताया कि वह जिस दुकान पर काम करती है, वहां शिवम कुशवाह का आना-जाना था। शिवम की ट्रेवल्स एजेंसी है। करीब छह महीने पहले दोनों की दोस्ती हुई और उनके बीच बातचीत शुरू हो गई। युवती के अनुसार, 22 मई को शिवम ने उसे मिलने के लिए बुलाया। पहले से चल रही बातचीत के भरोसे में युवती उसके किराए के कमरे पर पहुंच गई। उस दिन शिवम कमरे पर अकेला था।

देशभर में खुलेंगे 'लव जिहाद रिहैब सेंटर', गुजरात में बनेगा पहला केंद्र

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर में आयोजित हिन्दू हुंकार कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचीं हिंदूवादी नेत्री काजल हिंदुस्तानी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने ऐलान किया कि हिंदू बेटियों को कथित 'लव जिहाद' से बचाने के लिए देशभर में रिहैब सेंटर खोले जाएंगे। काजल हिंदुस्तानी ने कहा कि देश का पहला 'लव जिहाद रिहैब सेंटर' गुजरात में शुरू किया जाएगा। यहां उन युवतियों और परिवारों को सहायता दी जाएगी, जो कथित तौर पर लव जिहाद से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि सेंटर में युवतियों की काउंसलिंग की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें वहां रखा भी जाएगा। मीडिया से चर्चा में काजल हिंदुस्तानी ने दावा किया कि देश में लव जिहाद के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और संगठित तरीके से युवतियों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अलग-अलग समुदायों की लड़कियों को फंसाने के लिए अलग-अलग रकम तय की जाती है और इसके लिए विदेशों से फंडिंग भी होती है।

हाईटेंशन लाइन निर्माण में बाधा पर 9 लोगों पर केस

खंडवा। सिंहस्थ-2028 से पहले बिजली अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए बनाई जा रही 132 केवी सनावद आरटीएस-निमाड़खेड़ी विद्युत पारेषण लाइन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। एक ओर एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने निर्माण कार्य में बाधा डालने और अधिकारियों-कर्मचारियों से अभद्रता करने के आरोप में 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं दूसरी ओर प्रभावित विधवा किसान के समर्थन में ग्रामीणों और किसान प्रतिनिधियों ने मुआवजे को लेकर सवाल उठाए हैं। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अनुसार 132 केवी सनावद आरटीएस-निमाड़खेड़ी विद्युत पारेषण लाइन का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है।

जल कृष्ण को याद करने का प्रेरक है पं. बृजेश गुरु

खरगोन ■ निसं

जल हमें कृष्ण के गुणों और लीलाओं की याद दिलाता है, इस पर ध्यान लगाने के अलावा, हम अपने दैनिक जीवन में जल का उपयोग करके उनके प्रति अपनी जागरूकता बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के लिए, बुनियादी स्वास्थ्य के लिए हमें पीने और नहाने के लिए स्वच्छ जल की आवश्यकता होती है, और खाना पकाने और कपड़े व घर साफ करने के लिए भी इसकी आवश्यकता होती है। हमें उस व्यवस्था की आवश्यकता है जो कृष्ण ने वाष्पीकरण और वर्षा के माध्यम से स्वच्छ जल की आपूर्ति के लिए स्थापित की है। कम से कम, हमें इन उपहारों के लिए भगवान का नियमित रूप से धन्यवाद करना चाहिए, जो हमारे शरीर को जीवित रखते हैं। इसके अलावा, हमें जल के लिए आभारी होना चाहिए क्योंकि यह कृष्ण को याद करने का एक प्रेरक है, क्योंकि यह स्मरण उनके प्रति हमारी सेवा और प्रेम को बढ़ाएगा, और हमारी भक्ति के पौधे को सींचेगा।

उक्त उदगार श्री महामृत्युंजय धाम गांधीनगर में श्री पुरुषोत्तम मास के मंगल शुभावसर पर मातृ शक्ति संगठन द्वारा जल की महत्ता को लेकर आयोजित श्रीमद भागवत कथा में परम पूज्य व्यास गादी से भागवताचार्य पंडित श्री बृजेश जी शर्मा ने व्यक्त किए। आपने गोपाल कृष्ण की अलौकिक लीला का बखान किया। इस अवसर पर बाल गोपाल मण्डली ने मटकी फोड़कर दूध दही का रसास्वादन किया।

कथा के दौरान अखिल विश्व गायत्री परिवार की पूर्व महिला मंडल जिला संयोजिका वर्तमान में आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी की खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर,बड़वानी चार जिलों की प्रभारी श्रीमती सुनीता पाटीदार ने मातृशक्ति को संबोधित करते हुए पानी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए की जल की तरह सरस जल बने सब में मिल जावे आपने कहा कि प्रकृति का न करे हरण आओ बचाए पर्यावरण पंचम दिवस की कथा विराम पर आरती मुख्य मनोरथी सुधा देवी सोलंकी एवं सह मनोरथी श्रीमती कामिनी भारत सिंह मण्डलोई द्वारा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सतना में यूसीएल फैक्ट्री में कर्मचारी की मौत पर हंगामा

हार्ट अटैक के बाद इलाज में देरी का आरोप, परिजनों ने मांगा मुआवजा और नौकरी

सतना ■ निसं

सतना स्थित यूसीएल (यूनिवर्सल केबल लिमिटेड) फैक्ट्री में गुरुवार को ड्यूटी के दौरान एक कर्मचारी की मौत के बाद जमकर हंगामा हो गया। फैक्ट्री में लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत सत्य प्रकाश तिवारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चिकित्सकों ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है, लेकिन परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

परिजनों का कहना है कि सत्य प्रकाश तिवारी को गुरुवार सुबह करीब 8 बजे ड्यूटी के दौरान सीने में तेज दर्द और हार्ट अटैक जैसे लक्षण महसूस हुए थे। आरोप है कि उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाने के बजाय फैक्ट्री परिसर में ही गैस की दवा और नींबू पानी दिया जाता रहा। परिवार का दावा है कि लगभग दो घंटे तक उचित चिकित्सा सहायता नहीं मिली। सुबह करीब 10 बजे उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शव लेकर फैक्ट्री पहुंचे परिजन, प्रदर्शन: आक्रोशित परिजन और समर्थक मृतक का शव एंबुलेंस में लेकर दोपहर 3 बजे यूनिवर्सल केबल फैक्ट्री के मुख्य गेट पर पहुंच गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

परिजनों का आरोप है कि यदि समय रहते सत्य प्रकाश तिवारी को अस्पताल पहुंचाया जाता तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने फैक्ट्री प्रबंधन से 10 लाख रुपए मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग रखी है।

स्थिति को देखते हुए मौके पर सीएसपी देवेंद्र प्रताप सिंह, कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों द्वारा परिजनों और फैक्ट्री प्रबंधन के बीच बातचीत कर मामला शांत कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की जानकारी जुटा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों तथा लापरवाही के आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

ओंकारेश्वर नहर में तीन युवक डूबे, तीनों के शव मिले

ओंकारेश्वर। ओंकारेश्वर के कोठी हेलीपैड क्षेत्र स्थित नहर में नहाने के दौरान गुरुवार को तीन मजदूर डूब गए। इस हादसे में तीनों युवकों की मौत हो गई है। ये तीनों मजदूर ओंकारेश्वर-मोरटक्का निर्माणाधीन सड़क परियोजना में कार्यरत थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, निर्माण कंपनी में डंपर चालक रामचरण (53), निवासी खेरदा, खरगोन ने मांधाता थाने में सूचना दी। उन्होंने बताया कि उनके साथी कर्मचारी सुनील साहू, भगवानदास साहू और अनिकेत यादव 10 जून की शाम को कोठी नहर में स्नान करने गए थे। अगले दिन जब तीनों श्रमिक कैंप में नहीं लौटे, तो सहकर्मियों ने उनकी तलाश शुरू की। नहर किनारे पहुंचने पर तीनों के कपड़े और अन्य सामान मिले, जिससे उनके डूबने की आशंका जताई गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और बचाव दल ने तत्काल तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान सुनील साहू (20 वर्ष), निवासी सीधी, और अनिकेत यादव (लगभग 25 वर्ष), निवासी गोपालगंज, बिहार के शव घटनास्थल से करीब 200 मीटर दूर बरामद किए गए थे। बरामद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महाकाल लोक के बाद उज्जैन को मिलेगी नई पहचान

बनेगी भगवान श्रीकृष्ण की 151 फीट ऊंची विराट प्रतिमा

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में श्री महाकाल महालोक के बाद अब भगवान श्रीकृष्ण की 151 फीट ऊंची विराट धातु प्रतिमा स्थापित करने की तैयारी है। 220 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह प्रतिमा शिप्रा नदी तट पर स्थापित की जाएगी।

उज्जैन के श्री महाकाल महालोक के बाद अब उज्जैन भगवान श्रीकृष्ण की विराट छवि के रूप में देश को नई पहचान देने जा रहा है। उज्जैन विकास प्राधिकरण यूनिटी माल के पीछे शिप्रा नदी तट पर 220 करोड़ की लागत से 151 फीट ऊंची भगवान श्रीकृष्ण की विराटस्वरूप धातु की मूर्ति स्थापित करेगा।

खास बात यह है कि सरदार पटेल की 182 मीटर ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' बनाने वाले पद्मभूषण राम वनजी सुतार के पुत्र और मशहूर आर्किटेक्ट डॉ. अनिल राम सुतार ही इस प्रतिमा का निर्माण करेंगे। 30 फीट ऊंचे पेडस्टल पर बनने वाली यह प्रतिमा भगवान कृष्ण के विराट स्वरूप को दर्शाएगी।

इसके देश की सबसे बड़ी धातु निर्मित कृष्ण प्रतिमा बनने की संभावना है। बताया जाता है कि यह परियोजना सिर्फ मूर्ति तक सीमित नहीं है। यूनिटी माल के पीछे शिप्रा से लगी करीब 30 एकड़ जमीन को विशेष धार्मिक-पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

यहां क्या-क्या होगा?

1. **अत्याधुनिक लाइट एंड साउंड शो :** - गीता के संदेश और श्रीकृष्ण के जीवन को तकनीक से दिखाया जाएगा।
2. **प्रोजेक्शन मैपिंग :**- मूर्ति पर ही श्रीकृष्ण लीला का मंचन होगा।
3. **हरित पर्यटन क्षेत्र :**- आकर्षक उद्यान, दर्शक दीर्घा, भ्रमण पथ और आधुनिक सुविधाएं।

प्रेमजाल में फंसाकर युवती से छह लाख हड़पे, लौटाने का कहने पर करने लगा ब्लैकमेल, अब सलाखों के पीछे

धार ■ निसं

राजगढ़ में एक युवक ने सोशल मीडिया के जरिए नाबालिग बालिका को प्रेमजाल में फंसाकर दुर्घटना समेत विभिन्न बहाने बनाकर करीब छह लाख रुपये ठग लिए। पैसे मांगने पर वह धमकियां देने लगा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, एक लूटकांड में भी दो आरोपियों को गिरफ्तार कर नकदी और अन्य सामान बरामद किया गया। नाबालिग बालिका को प्रेम जाल में फंसाकर कई तरह के बहानों से करीब छह लाख रुपये हड़प लिए जाने का मामला सामने आया है। पैसे वापस मांगने पर उसे ब्लैकमेल व छेड़छाड़ करने की धमकी भी दी जा रही थी। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नाबालिग से दोस्ती कर लाखों की रकम हड़प ली थी।

पुलिस के अनुसार, 7 जून को थाना राजगढ़ में एक पीड़ित परिवार द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि राजगढ़ निवासी आरोपी कृष्णा पिता महेश शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट के माध्यम से नाबालिग बालिका से संपर्क साधा था। धीरे-धीरे उसने बालिका को अपने प्रेम जाल में फंसाकर उसका विश्वास जीत लिया। विश्वास में लेने के बाद आरोपी ने खुद की दुर्घटना होने और अन्य जरूरी कामों का बहाना बनाकर पीड़िता से समय-समय पर बड़ी रकम ऐंठना शुरू कर दिया। इस तरह आरोपी ने कई किस्तों में लगभग छह लाख रुपये हड़प लिए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन व मार्गदर्शन में आरोपी की धरपकड़ के लिए तत्काल एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कृष्णा पिता महेश शर्मा को राजगढ़ से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उक्त प्रकरण में आरोपी की गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक जुली अमलियार, प्रधान आरक्षक रैमसिंह बर्डे, आरक्षक सुभाष और आरक्षक दिलीप की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

लूट की वारदात में खुलासा

एक अन्य मामले में राजगढ़ पुलिस ने एक अन्य लूट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हजारों की नगदी, मोबाइल और अन्यि सामग्री को जब्त किया है। 28 जून को फरियादी राजवीर मालवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें अज्ञात बदमाशों ने उनसे 70 हजार की नगदी, मोबाइल फोन और जरूरी दस्तावेज लूट लिए थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस टीम तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर के सूचना तंत्र के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही थी, इसी बीच 10 जून को प्रकरण में संलिप्त दो आरोपियों मुकेश पिता धुंधरा और बबलू उर्फ बाबू पिता वीरसिंह दोनों निवासी कालीदेवी थाना टांडा को गिरफ्तार कर लिया।

काल बनकर दो किशोर बच्चों के ऊपर गिरा आम का पेड़, एक की इलाज के दौरान मौत; दूसरे की हालत गंभीर

मैहर ■ निसं

मैहर जिले के जिगना गांव में आम बीनने गए दो मासूम बच्चों पर अचानक एक विशाल आम का पेड़ गिर पड़ा। हादसे में गंभीर रूप से घायल बबलू गौड़ (12) की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरे बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत जिगना गांव में आम बीनने गए दो बच्चों के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। बुधवार शाम हुए इस हादसे में एक भारी आम का पेड़ अचानक दोनों बच्चों के ऊपर गिर पड़ा। हादसे में गंभीर रूप से घायल बबलू गौड़ (12) की गुरुवार को इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि लाला गौड़ (10) की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, जिगना गांव निवासी बबलू और लाला बुधवार शाम गांव के पास आम बीनने के लिए गए थे। इसी दौरान हाल ही में आए आंधी-तूफान से कमजोर हो चुका एक विशाल आम का पेड़ अचानक भरभराकर गिर पड़ा। दोनों बच्चे पेड़ की चपेट में आ गए और उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

रीवा के संजय गांधी में चल रहा था उपचार: घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों को पेड़ के नीचे से बाहर निकाला गया। गंभीर रूप से घायल बच्चों को तत्काल स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत चिंताजनक देखते हुए चिकित्सकों ने रीवा के संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय रेफर कर दिया।

चंबल में रेत माफिया पर शिकंजा

कलेक्टर-एसपी ने रात में संभाला मोर्चा; लापरवाही पर टीआई लाइन अटैच

धार ■ निसं

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद मुरैना प्रशासन ने अवैध रेत खनन के खिलाफ सख्त अभियान छेड़ दिया है। कलेक्टर और एसपी ने रात में औचक निरीक्षण किया। वहीं लापरवाही के आरोप में सबलगढ़ थाना प्रभारी राजकुमारी परमार को निलंबित कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के बाद चंबल अंचल में अवैध रेत खनन पर पूरी तरह लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है। बुधवार देर रात करीब 2 बजे कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ और पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा भारी पुलिस बल के साथ नेशनल हाईवे-44 और राजघाट क्षेत्र में औचक निरीक्षण पर निकले। इस कार्रवाई का उद्देश्य जमीनी स्थिति का जायजा लेना और रेत माफिया की गतिविधियों पर नजर रखना था।

कलेक्टर और एसपी की यह लगातार तीसरी रात्रिकालीन कार्रवाई थी। दोनों अधिकारियों ने सबसे पहले नेशनल हाईवे-44 स्थित वन विभाग के चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। इसके बाद सिकरौदा नहर के एसएएफ टेंट चेकिंग पॉइंट, राजघाट एसएएफ गार्ड पॉइंट, कुल्हड़ा, गढ़ौरा का पुरा और आरटीओ चेकिंग पॉइंट पर पहुंचकर ड्यूटी पर तैनात जवानों से चर्चा की। इस दौरान खनिज अधिकारी सुखदेव निर्मल भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने कहा कि चंबल क्षेत्र के सभी रेत घाट पूरी तरह बंद करा दिए गए हैं। रात के समय नेशनल हाईवे, राजघाट और गढ़ौरा क्षेत्र में रेत माफिया की कोई गतिविधि नहीं मिली। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि कुछ लोग अन्य स्थानों से रेत लाकर परिवहन करने का प्रयास कर सकते हैं। इसे रोकने के लिए सभी नाकों पर शिफ्टवार ड्यूटी लगाई गई है।

एसपी धर्मराज मीणा ने वन विभाग और एसएएफ के जवानों को निर्देश दिए कि अवैध रेत परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी क्षेत्र से रेत से भरी ट्रॉली गुजरती पाई गई तो संबंधित कर्मियों के खिलाफ सीधे कार्रवाई की जाएगी। ड्यूटी में लापरवाही पर किसी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। पूरे अभियान के दौरान टीम को रेत से भरा कोई वाहन नहीं मिला। हालांकि खनिज विभाग ने अवैध रूप से ईंट परिवहन कर रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर कार्रवाई की। प्रशासन ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को जागरूक कर रहा है कि चंबल क्षेत्र में रेत उत्खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इधर, अवैध खनन और जुए के मामलों में लापरवाही बरतने पर मुरैना एसपी धर्मराज मीणा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सबलगढ़ थाना प्रभारी राजकुमारी परमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जांच पूरी होने तक उन्हें पुलिस लाइन अटैच किया गया है।

जानकारी के अनुसार, जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा रेत माफिया के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसके बावजूद सबलगढ़ थाना क्षेत्र में कार्रवाई का स्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। हाल ही में क्षेत्र में रेत परिवहन और सबलगढ़ किले पर खुलेआम जुआ खेले जाने के वीडियो सामने आए थे। आरोप है कि इन मामलों में थाना प्रभारी द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। एसपी को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि संयुक्त अभियान के दौरान थाना प्रभारी प्रशासनिक अधिकारियों को अपेक्षित सहयोग भी नहीं दे रही थीं।

ग्वालियर में तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को मारी टक्कर

परिवार के पांच लोग उछलकर गिरे, दो बच्चों की मौत; सीसीटीवी आया सामने, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के बिजौली थाना क्षेत्र में एक हिट एंड रन की घटना में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी कार चालक को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना 6 जून की रात गणेशपुरा इलाके में हुई। गणेशपुरा निवासी एक परिवार होटल से खाना खाकर स्कूटी से घर लौट रहा था। तभी हाईवे पर पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार यूपी नंबर की सफेद कार ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी सवार पांचों लोग उछलकर सड़क पर जा गिरे। कार चालक मौके से फरार हो गया। हादसे का वीडियो भी सामने आया है।

बिजौली पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सीसीटीवी फुटेज में यूपी नंबर की कार स्पष्ट दिख रही थी।

संक्षिप्त समाचार

34 प्रोफेसर्स के भरोसे चल रहा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय

भोपाल। बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में गुरुवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। परिषद का कहना है कि जब तक विश्वविद्यालय शैक्षणिक, प्रशासनिक और आर्थिक अनियमितताओं की भेट चढ़ चुका है। जब तक विवि में मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 52 लागू नहीं होती है और कुलपति इस्तीफा नहीं देते हैं तो अनिश्चितकाल तक धरना चलेगा। परिषद ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर की भारी कमी है। मात्र 34 प्रोफेसर्स के भरोसे विवि चल रही है। एमबीए की परीक्षा जनवरी में हुई थी, पर अभी तक परिणाम नहीं आए हैं। छात्रावासों में सुविधाओं का अभाव और प्रशासनिक अव्यवस्था, विवि में नामांकन भी कम हो रहे हैं। कुलपति का व्यवहार तानाशाह जैसा है। एबीवीपी के प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी ने कहा कि विश्वविद्यालय वर्तमान में केवल 34 नियमित शिक्षकों के भरोसे चल रहा है। कई विभागों में शिक्षकों के पद लंबे समय से खाली हैं। हाल ही में 31 शिक्षकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया, लेकिन नियुक्ति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। विवि में कुल 105 शिक्षकों की जरूरत है। परिषद का आरोप है कि प्रबंधन की इच्छाशक्ति की कमी के कारण भर्ती नहीं हो पा रही है।

बहू बोली-रिटायर्ड पुलिसकर्मी ससुर ने घर से निकाला

भोपाल। मध्यप्रदेश महिला आयोग की जनसुनवाई में गुरुवार को एक महिला ने बताया कि उसके रिटायर्ड पुलिसकर्मी ससुर ने उसे घर से निकाल दिया है। उसके साथ सास, देवर, देवरानी और ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी पिटाई की। लगातार विवाद, मारपीट, मानसिक प्रताड़ना और आर्थिक दबाव के कारण उसे अपने बच्चों के साथ किराए के मकान में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। पीड़िता ने महिला थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता का कहना है कि वह किसी प्रकार का विवाद नहीं चाहती, बल्कि केवल अपने और बच्चों के लिए सुरक्षित जीवन चाहती है। उन्होंने मांग की है कि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, उन्हें भरण-पोषण का खर्च दिया जाए। पीड़िता ने बताया कि शादी के 15 साल बीत चुके हैं। शुरू में सब ठीक था, लेकिन 3 साल पहले पति को ब्रेन ट्यूमर हो गया था, जिसके बाद ससुराल वालों का रवैया बदल गया। अब उन्होंने मेरे पति को भी मेरे खिलाफ कर दिया है। वह भी मेरे साथ नहीं हैं। बीमारी के कारण उन्हें कुछ याद नहीं रहता। जो उनके माता-पिता कहते हैं, उसे ही वह सच मानते हैं। मेरे तीन बच्चे हैं, अब मैं इन्हें लेकर कहां जाऊं, कैसे मैनेज करूं।

भांजे ने किया रेप, परेशान मामी ने खाया जहर

भोपाल। राजधानी भोपाल के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली 33 वर्षीय महिला ने अपने ही भांजे पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि आरोपी घर में घुसकर उसके साथ कई बार गलत काम करता रहा। परेशान होकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। अस्पताल में इलाज के दौरान दिए गए बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़िता मिसरोद इलाके के एक गांव में अपने पति के साथ रहती है। उसका पति सब्जी का काम करता है और रोजाना सब्जी खरीदने के लिए मंडीदीप की मंडी जाता है। आरोपी भी उसी गांव में पीड़िता के घर के पास रहता है। महिला के बयान के मुताबिक 5 जून को आरोपी पति की गैर मौजूदगी में घर में घुस आया और उसके साथ जबरदस्ती की। इसके बाद आरोपी कई बार इसी तरह की हरकत करता रहा। पीड़िता ने इसकी जानकारी अपने पति और परिजनों को दी, लेकिन आरोप है कि कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। आरोपी को समझाइश तक नहीं दी गई।

भोपाल में 1.267 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल की टीला जमालपुरा थाना पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए गुरुवार को एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1.267 किलो अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत करीब 30 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि हरिजन बस्ती की पानी टंकी के पास एक व्यक्ति गांजा लेकर खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शाहिद खान (47) निवासी करीम बक्स कॉलोनी भोपाल बताया। पुलिस ने जब उसके पास मौजूद ग्रे रंग के बैग की तलाशी ली तो उसमें गांजा मिला। पुलिस ने आरोपी से गांजा रखने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई लाइसेंस या अनुमति पत्र पेश नहीं कर सका। इसके बाद मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शाहिद खान के खिलाफ पहले से लूट, आबकारी एक्ट और एनडीपीएस एक्ट सहित कई अपराध दर्ज हैं।

बच्चों में भाषा, संज्ञानात्मक, सामाजिक और गणितीय समझ को प्रस्तुत किया

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सीख और नवाचारों का उत्सव बना ईसीई सेमिनार

भोपाल ■ निसं

शाला पूर्व शिक्षा को बच्चों के लिए अधिक आनंददायक, प्रभावी और सीख-केंद्रित बनाने की दिशा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे नवाचारों और प्रयासों को साझा करने के लिए अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी सभागार में ईसीई सेमिनार आयोजित किया गया। फंदा परियोजना के अंतर्गत आयोजित इस सेमिनार में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपने केंद्रों पर किए गए प्रयोगों, बच्चों के साथ हुए सीखने के अनुभवों और स्थानीय संसाधनों के उपयोग से विकसित शिक्षण पद्धतियों को प्रस्तुत किया। इस सेमिनार का आयोजन फंदा परियोजना एवं अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के

संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

सेमिनार में सात सेक्टरों से आई 175 से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, सीडीपीओ, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन से जुड़े जानकार शामिल हुए। सेमिनार में 14 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की प्रस्तुतियां केंद्र में रहीं, जिनमें उन्होंने खेल, गतिविधियों और स्थानीय शिक्षण-अधिगम सामग्री के माध्यम से बच्चों में भाषा, संज्ञानात्मक, सामाजिक और गणितीय समझ को प्रस्तुत किया गया।

प्रस्तुतियों में यह भी सामने आया कि नियमित अवलोकन, बच्चों की रुचियों को समझने और समुदाय की भागीदारी बढ़ाने से आंगनवाड़ी केंद्रों का सीखने का वातावरण अधिक समृद्ध हुआ है।

टीएलएम प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र: सेमिनार के दौरान विभिन्न आयामों पर आधारित टीएलएम प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा स्थानीय संसाधनों से तैयार की गई शिक्षण सहायक सामग्री को प्रदर्शित किया गया। प्रतिभागियों ने इन सामग्री का अवलोकन कर उनके उपयोग और प्रभाव पर चर्चा की।

सीख और समझ को मिला मंच: महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी कोमल उपाध्याय ने कहा कि ऐसे आयोजन आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सीख और समझ को सामने लाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने शाला पूर्व शिक्षा के विभिन्न आयामों पर किए गए कार्यों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कर उन्हें प्रस्तुत किया है, जो सराहनीय है। बच्चों की सीख को बेहतर बनाने के लिए टीएलएम और गतिविधि-आधारित शिक्षण के उपयोग से सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। इस मौके पर सुपरवाइजर मधु मिश्रा, सुषमा पाटीदार, रजनी गुप्ता , जीतूबाला आदि ने भी अपनी बातें रखीं।

उत्कृष्ट प्रयासों का हुआ सम्मान: सेमिनार के समापन सत्र में प्रस्तुति देने वाली सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के जिला प्रमुख परेश पंडया, ब्लॉक समन्वयक सिद्धार्थ कुमार जैन सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। सेमिनार का संयोजन पारुल डुग्गल, शुभ्रा मिश्रा, दीपा जोस, पूजा सक्सेना और रमाकांत प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर इंद्रनील चक्रवर्ती, राखी सोनी, भुवन तिवारी, नेहा शर्मा, राजश्री पांडे, निवेदिता तिवारी, सुप्रिया सिंह, चंद्रकांत आदि उपस्थित थे।

आरोग्य भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय होम्योपैथी कार्यशाला 'अमृतम्' सम्पन्न

देशभर के 92 प्रतिशत जिलों में स्वास्थ्य सेवा का कार्य कर रही है- डॉ.अशोक वार्ष्णेय

भोपाल ■ निसं

भोपाल के आयुष सभागार में आरोग्य भारती के द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय होम्योपैथी कार्यशाला '' अमृतम् '' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यशाला का उद्घाटन मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग के मंत्री इंदर सिंह परमार के द्वारा सम्पन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में आयुष मंत्री ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि होम्योपैथी एक ऐसी विधा है जो रोगी को स्वस्थ करता ही है साथ ही स्वस्थ व्यक्ति को भी स्वस्थ बना कर रखता है। वर्तमान समय में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए-नए शोध हो रहे हैं। स्वास्थ्य के सभी विधाओं को मिलकर काम करने की आवश्कता महसूस हो रही है।

यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि आरोग्य भारती इन सभी विधाओं को एक साथ मिलाकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में नया आयाम खड़ी कर रही है। मध्य प्रदेश सरकार भी होम्योपैथी के साथ-साथ आयुष के अन्य सभी विधाओं के विकास के लिए सदैव तत्पर है। इस तरह के कार्यक्रम होते रहना चाहिए। होम्योपैथी के विकास के लिए आरोग्य भारती ने जो राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया है इसके लिए आरोग्य भारती बधाई के पात्र है। इसी सत्र में सारस्वत अतिथि के रूप में राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली के

500 से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक, शोधार्थी एवं प्राध्यापक उपस्थित थे

इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान कोलकाता के प्राध्यापक डॉ. शिशिर सिंह एकीकृत चिकित्सा पद्धति में होम्योपैथी के द्वारा बच्चों के विकास विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। अहमदाबाद गुजरात के श्री एस.बी. डंगायच जी लोक स्वास्थ्य में होम्योपैथी की भूमिका, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली के डॉ. रजत चट्टोपाध्याय एकीकृत स्वास्थ्य व्यवस्था में होम्योपैथी की भूमिका, लखनऊ के डॉ. गिरीश गुप्ता जी शोध एवं प्रमाण आधारित होम्योपैथी दिल्ली के डॉ. बी.एस. जौहरी जी होम्योपैथी के द्वारा गर्भ संस्कार तथा अहमदाबाद के डॉ. शिवांग स्वामिनारायण जी तथा डॉ. भास्कर भट्ट जी ने होम्योपैथी विकास एवं भविष्य विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यशाला में सम्पूर्ण देशभर से 500 से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक, शोधार्थी एवं प्राध्यापक उपस्थित थे।

अध्यक्ष डॉ. तारकेश्वर जैन ने कहा कि वर्तमान समय में होम्योपैथी नए-नए शोध पर आधारित चिकित्सा पद्धति है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय इस विषय पर निरंतर कार्य कर रहा है। विद्यार्थी एवं चिकित्सकों के लिए कई प्रकार की योजनाएं लागू की गई है। मुख्य वक्ता के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय ने आरोग्य भारती का परिचय देते हुए कहा वर्तमान समय में आरोग्य भारती संपूर्ण देशभर के सभी प्रांतों के 92 प्रतिशत जिलों में स्वास्थ्य सेवा का कार्य कर रही है।

वर्तमान समय में एकीकृत चिकित्सा पद्धति की आवश्यता है जिसमें सभी चिकित्सा पद्धति अपनी-अपनी अच्छाइयों का प्रयोग करते हुए रोगी को स्वस्थ करने का कार्य करे। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के अवर सचिव डॉ. संजय मिश्रा जी ने मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे आयुष योजनाओं के विषय में अपने विचार व्यक्त किये।

आरएनटीयू एवं एसजीएसयू ने मनाया भव्य प्लेसमेंट डे

650 से अधिक विद्यार्थियों को मिले नियुक्ति पत्र, 130 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने की रिक्रूटमेंट

भोपाल ■ निसं

आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज के अंतर्गत संचालित रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), भोपाल एवं स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू), भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से रेडिसन होटल, गुलमोहर, भोपाल में भव्य प्लेसमेंट डे 2026 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालयों के 650 से अधिक चयनित विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों से प्राप्त नियुक्ति पत्र एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 दोनों विश्वविद्यालयों के लिए प्लेसमेंट के क्षेत्र में अत्यंत सफल रहा। इस दौरान 130 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने कैंपस भर्ती प्रक्रिया में भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप 650 से अधिक विद्यार्थियों का चयन विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों में हुआ। यह उपलब्धि विश्वविद्यालयों की उद्योगोन्मुखी शिक्षा, कौशल विकास आधारित प्रशिक्षण एवं मजबूत उद्योग-अकादमिक सहयोग का प्रमाण है। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलगुरु डॉ. रवि प्रकाश दुबे, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. विजय सिंह तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक श्री अभय अरुण महिषी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा, 'हमारे विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, प्रतिबद्धता और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण का परिणाम है। हमारा उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे सक्षम और आत्मविश्वासी युवा तैयार करना है जो बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना कर सकें और अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें।'

रुडसेट संस्थान में आर्टीफीशियल ज्वेलरी निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण सम्पन्न

भोपाल ■ निसं

रुडसेट संस्थान भोपाल द्वारा विगत 14 दिनों से संचालित हो रहे आर्टीफीशियल ज्वेलरी निर्माण के नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में विश्वास साहनी राज्य नियंत्रक, आरसेटी, मध्य प्रदेश उपस्थित हुये। संस्थान के निदेशक तमन कुमार डोहले ने जानकारी दी कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के स्वयं सहायता समूह की सदस्यों के लिये ग्राम खेजड़ा देव में नि:शुल्क आयोजित किया गया था जिसमें 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आर्टीफीशियल ज्वेलरी निर्माण का प्रशिक्षण श्रीमती रुचि शाह द्वारा ग्राम स्तर पर दिया गया। ज्वेलरी निर्माण प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रशिक्षणार्थियों को बैंकिंग, बीमा, सफल उद्यमी के गुण आदि जानकारी भी विस्तार से दी गई जिससे उन्हें

प्रशिक्षणार्थियों को बैंकिंग, बीमा, सफल उद्यमी के गुण आदि जानकारी दी

अपना स्वरोजगार प्रारंभ करने में आसानी हो सके। मुख्य अतिथि श्री विश्वास साहनी ने अपने उद्बोधन में सभी प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएँ दी तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार की गई ज्वेलरी की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि यह व्यवसाय आज के दौर में बहुत उपयोगी है, जिसमें छोटी सी लागत से कार्य प्रारंभ किया जा सकता है और अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री विश्वास साहनी के द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

इस अवसर पर रुडसेट संस्थान भोपाल के वरिष्ठ संकाय श्री संदीप सोनी, भगवान सिंह उपस्थित थे।

टिकट जांच स्टाफ की सतर्कता एवं संवेदनशीलता से महिला यात्री को मिली सुरक्षित यात्रा

भोपाल ■ निसं

मंडल में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में बुधवार को गाड़ी संख्या 20805 विशाखापत्तनम-नई दिल्ली एक्सप्रेस में नागपुर से भोपाल तक यात्रा कर रही एक महिला यात्री को टिकट जांच स्टाफ की तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता के कारण सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की गई।

यात्रा के दौरान महिला यात्री ने अपने ससुराल पक्ष से जान-माल के खतरे की आशंका व्यक्त करते हुए सहायता का अनुरोध किया। मामले की गंभीरता को समझते हुए टिकट जांच स्टाफ श्री कैलाश रैकवार एवं श्री अविनाश डोंगरे ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए आवश्यक सुरक्षा उपाय किए। यात्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसकी सीट को सुरक्षित एवं उपयुक्त स्थान

पर परिवर्तित किया गया तथा पूरी यात्रा के दौरान उस पर विशेष निगरानी रखी गई।

दोनों कर्मचारियों ने समन्वित प्रयासों, संवेदनशील व्यवहार एवं उच्च स्तर की कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए महिला यात्री को भोपाल स्टेशन तक सकुशल एवं सुरक्षित पहुँचाया। उनकी सतर्कता के कारण यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई।

कैलाश रैकवार एवं श्री अविनाश डोंगरे द्वारा प्रदर्शित तत्परता, मानवीय दृष्टिकोण तथा यात्री सुरक्षा के प्रति समर्पण भारतीय रेल की सेवा भावना एवं यात्रियों के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उनके इस सराहनीय कार्य की रेल प्रशासन द्वारा प्रशंसा की गई है।

सीआरएस 12 जून को भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल लाइन के श्यामपुर-कुरावर स्टेशन तक 13.70 किलोमीटर का करेंगे निरीक्षण

भोपाल ■ निसं

रामगंजमंडी-भोपाल नई बड़ी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत निर्मित 13.70 किलोमीटर श्यामपुर-कुरावर रेलखंड के कमीशनिंग कार्य हेतु रेल संरक्षा आयुक्त, मध्य क्षेत्र, मुंबई श्री गुरू प्रकाश द्वारा दिनांक 12 जून 2026 को निरीक्षण किया जाएगा। यह निरीक्षण रेलखंड की संरक्षा, तकनीकी गुणवत्ता तथा यात्री एवं मालगाड़ी संचालन के लिए उसकी उपयुक्तता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 12 जून 2026 को प्रात: 09:30 बजे से सायं 07:00 बजे तक श्यामपुर-कुरावर रेलखंड पर विभिन्न संरक्षा एवं तकनीकी मानकों का गहन परीक्षण किया जाएगा। इस दौरान ट्रैक, पुलों, समपार फाटकों, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली सहित अन्य रेलवे अवसंरचनाओं का निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही रेलखंड पर स्पीड ट्रायल एवं अन्य परिचालन परीक्षण भी किए जाएंगे, जिनमें ट्रेनों का संचालन सामान्य से अधिक गति पर किया जा सकता है।

निरीक्षण के दौरान ट्रैक की गुणवत्ता, संरचनात्मक स्थिरता, पुलों एवं समपार फाटकों की सुरक्षा, सिग्नल एवं संचार प्रणाली की कार्यक्षमता तथा आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्थाओं का परीक्षण किया जायेगा। जिससे रेलखंड की परिचालन क्षमता एवं संरक्षा का मूल्यांकन किया जा सके। निरीक्षण उपरांत संतोषजनक पाए जाने पर ही रेलखंड को यात्री उपयोग के लिए अनुमोदित किया जाता है।

इस नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत कुल 27 स्टेशन हैं, जिनमें रामगंज मंडी, जुल्मी, झालावाड़, झालरापाटन, जूनाखेड़ा, अमेठा, अकलेरा, पचोला, घाटोली, नयागांव, भोजपुर, देवपुरा, खिलचीपुर, राजगढ़, नरसिंहपुर, ब्यावरा, पीपलहेला, सोनकच्छ, नरसिंहगढ़, जमुनियागंज, कुरावर, श्यामपुर, दुराहा, जरखेड़ा, मुगलियाहाट, संत हिरदाराम नगर एवं निशातपुरा डी केबिन शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि इस परियोजना के अंतर्गत कुल 276 किलोमीटर में से निशातपुरा डी केबिन से ब्यावरा तक 111 किलोमीटर का रेलखंड भोपाल के अधीन आता है, शेष रामगंजमंडी से नरसिंहपुर तक 165 किलोमीटर का खंड कोटा मंडल के अधीन आता है। जिसमें भोपाल मंडल में निशातपुरा डी केबिन से श्यामपुर तक 42 किमी का कार्य पूर्ण हो चूका है। कुरावर-श्यामपुर 13.70 किलोमीटर का कार्य सीआरएस निरीक्षण के साथ पूरा हो जायेगा शेष लगभग 56 किलोमीटर का कार्य (सोनकच्छ-नरसिंहगढ़, ब्यावरा-सोनकच्छ) वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूरा करने का लक्ष्य है।

पर्यावरण जागरूकता अभियान: प्रकृति ही जीवन का आधार है : तिवारी

भोपाल ■ निसं

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर विशेषज्ञ पी एस तिवारी का व्याख्यान आयोजित किया गया उन्होने कहा कि पर्यावरण संरक्षण ओर प्रकृति प्रेम ही जीवन का आधार है हमारी संस्कृति में ही वृक्षों नदियों ओर पशुओं से प्रेम ओर संरक्षण की शिक्षा दी जाती थी ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ वातावरण में जी सके आज पर्यावरण एवम् प्रदूषण पर गंभीरता से विचार करना होगा आज की युवा पीढ़ी को शिक्षित करना होगा

अंधाधुंध निर्माण से प्रदूषण वाहन

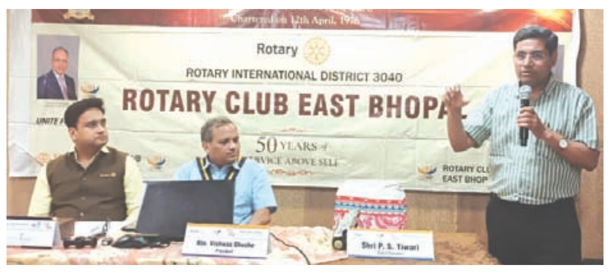

प्रदूषण वायु प्रदूषण जल प्रदूषण वनो की कटाई वृक्षों का कम होना प्लास्टिक का उपयोग गंभीर समस्या है हमें जागरूक होना है ओर समाज को जागरूक करना होगा। तिवारी जी ने पीपीटी द्वारा प्रदूषण समस्या और उसके निवारण पर विस्तार से बताया उन्होंने कहा कि पार्यवरण से सरंक्षण सामाजिक भागीदारी से ही संभव है इसके लिए सरकार पर ही निर्भर नहीं रहना है पर्यावरण संरक्षण भारत ही नहीं विश्व के लिए चुनौती है ।

अनमोल वचन

विश्व के सभी धर्म, भले ही और चीजो में अंतर रखते हो, लेकिन सभी इस बात पर एकमत है कि दुनिया में कुछ नही बस सत्य जीवित रहता है।
महात्मा गांधी

उन लोगो के अटल साहस से ज्यादा प्रभावशाली कुछ भी नहीं है, जो अपनी आजादी और सम्मान के लिए दु:ख सहने और त्याग करने के लिए तैयार है।
मार्टिन लूथर किंग जेआर

सम्पादकीय

मानसून सत्र और भारतीय राजनीति का समुद्र मंथन

जुलाई माह में संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराहट देखने को मिल सकती है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था तथा विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। पिछले सत्र में परिसीमन बिल सरकार संसद में पास नहीं करा पाई थी। बीते महीनों में जिस तरह से सरकार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है, विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश किया धन वापस निकाल रहे हैं। कच्चे तेल के आयात से सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थिति में सरकार मानसून सत्र में कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। देश में खाद्य पदार्थों, ईंधन और घरेलू जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों को लेकर जनता के बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। किसान संगठन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल खरीद और कृषि लागत जैसे मुद्दों पर आंदोलित हैं। वहीं नीट पेपर लीक से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र संगठनों की ओर से सड़क पर असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। काकरोच के नाम पर युवा जेन-जी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है। विपक्षी दलों द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के दबाब में काम करने के आरोप हैं। जबकि सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है। सरकार अपने कार्यकाल में हुए विकासकार्यों, कल्याणकारी योजनाओं तथा आर्थिक उपलब्धियों को सामने रखती है। राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने संसद के आगामी सत्र को और महत्वपूर्ण बना दिया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही संसद सत्र के पहले अपने-अपने राजनीतिक समीकरण मजबूत करने में जुटे हुए हैं। क्षेत्रीय दलों की भूमिका इस बार विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संसद का मानसून सत्र आने वाले विधानसभा चुनावों और भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में यह मानसून सत्र सरकार के लिए संकटभरा हो सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को यदि समुद्र मंथन की उपमा दी जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। समुद्र मंथन में जिस प्रकार देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सहयोग भी था, उसी प्रकार भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उस पौराणिक कथा में पहले विष निकला और अंत में अमृत प्राप्त हुआ था। लोकतंत्र के इस राजनीतिक मंथन से मानसून सत्र में कौन लाभान्वित होगा और किसे राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा, इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा है। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि मानसून सत्र केवल विधायी कार्यवाही का मंच नहीं रहेगा, बल्कि यह सरकार की नीतियों, विपक्ष की रणनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर व्यापक राजनीतिक बहस का केंद्र बनने जा रहा है। इस राजनीतिक समुद्र मंथन का परिणाम क्या होगा, इसका निर्णय अंतत: जनता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं ही तय करेंगी। जिस तरह से सत्ता पक्ष ने लोकसभा एवं राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 6 सांसदों इसके बाद टीएमसी के सांसदों को पार्टी से अलग होकर अलग गुट बनाने या सांसदों से इस्तीफा दिलवाकर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उसका स्पष्ट संकेत है, मानसून सत्र में सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। इसके लिए सरकार किसी भी स्तर पर अपने आपको सुरक्षित करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इसका एक संदेश यह भी है, सरकार अंदर से कमजोर है। भाजपा के अंदर से भी असंतोष के स्वर उठने लगे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार ने चारों ओर से सुरक्षित रहने के लिए घेराबंदी शुरु कर दी है।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

फाइबर अर्थव्यवस्था: भारत का अगला बड़ा वैश्विक अवसर

गिरिराज सिंह

दशकों तक केले के पेड़ के तने को बेकार अपशिष्ट मानकर फेंक दिया जाता था। आज वही बायोमास प्रीमियम फाइबर बनकर निर्यात बाजारों की मांग पूरी कर रहा है, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बना रहा है और इस कृषि अवशेष को राष्ट्रीय आय में बदल रहा है। अपशिष्ट से समृद्धि तक, स्थानीय प्रचुरता से वैश्विक अवसर तक – यही भारत की न्यू एज फाइबर मुहिम का सार है, जो हरित सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है।

'स्थानीय प्रचुरता से सतत सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में वैश्विक नेतृत्व तक'

फाइबर के साथ भारत का 5,000 बरस पुराना सभ्यतागत संबंध है, जो हमारे गाँवों, परंपराओं तथा सामूहिक पहचान में गहराई से गुँथा है। 'बुनी हुई हवा' कहलाने वाली मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध मलमल से लेकर समस?त महाद्वीपों तक फैली भारतीय कारीगरी तक – फाइबर हमेशा से हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा रहा है। आज, जब दुनिया वैश्विक स्थिरता की क्रांति की कगार पर खड़ी है, तब यही प्राचीन ज्ञान हमारी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति है। न्यू एज फाइबर ऐसे टिकाऊ एवं पौधों-आधारित पदार्थ हैं, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक नवाचार के साथ जोड़ते हैं। बांस, भाँग, केला, पीएएलएफ, फ्लैक्स, रेमी, सिसल, मिल्कवीड और कपोक जैसे फाइबर सदियों से मौजूद रहे हैं, लेकिन अब इन्हें वस्त्र उद्योग, रक्षा, बायोडिग्रेडेबल कंपोजिट्स और प्रीमियम उत्पादों में उच्च-मूल्य उपयोगों के लिए नए सिरे से खोजा जा रहा है। ये हरित भविष्य के लिए भारत के प्राकृतिक फाइबर भंडार का विस्तार कर रहे हैं। बढ़ती आय, वैश्विक स्थिरता संबंधी अनिवार्यताएँ और ट्रेसेबल सोर्सिंग की आवश्यकताएँ वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को पूरी तरह बदल रही हैं और एक नई फाइबर अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। उपभोक्ता अब अपने पहनने के कपड़ों में आराम, पसीना सोखने की क्षमता या ब्रीदेबिलिटी और टिकाऊपन चाहते हैं। यही महत?वपूर्ण बदलाव भारत में फाइबर की खपत को आज के 15 एमएमटी से बढ़ाकर 2030 तक 23 एमएमटी तक ले जाने वाला है। दुनिया अब तेजी से वही तलाश रही है, जिसे भारत प्रदान कर सकता है : नैतिक, टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन वाले प्राकृतिक फाइबर, जो सदियों के अनुभव पर आधारित हैं।

इस विजन को एक स्पष्ट संस्थागत एवं नीतिगत ढाँचे का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2026-2031 के लिए 5,664 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाले 'मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी' के अंतर्गत न्यू एज फाइबर्स के लिए 300 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान रखा गया है। इस प्रयास को और सशक्त बनाते हुए, केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित राष्ट्रीय फाइबर मिशन एक व्यापक रणनीतिक ढाँचा प्रदान करता है, जो चार प्रमुख स्तंभों : कृषि-सूत्र-खेती और कच्चे माल के विकास के लिए, इन्फिनिटी-अनुसंधान एवं नवाचार के लिए, ग्राम-सेतु – अवसंरचना और उद्यम सृजन के लिए, तथा जीएमपीएस: ब्रांडिंग और बाज़ार विकास के लिए – पर आधारित है। इस नीतिगत ढाँचे की शक्ति दशकों से जारी वैज्ञानिक अनुसंधान में निहित है, जिसे ठोस परिणाम पहले से ही सामने आ चुके हैं। मिल्कवीड (आक/मदार) जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव को अर्पित किया जाता है, नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (एनआईटीआरए) में 18 वर्षों के अनुसंधान के बाद एक बड़ी कामयाबी के तौर पर सामने आया है। अब इसका उपयोग रक्षा क्षेत्र में, विशेषकर -20एष्ट तापमान में कार्यरत सैनिकों के लिए स्लीपिंग बैग बनाने में किया जा रहा है। ये स्लीपिंग बैग अपने पॉलिएस्टर विकल्पों की तुलना में 10% हल्के, ऊन से अधिक गर्म तथा सीएलओ/सेल प्रमाणित हैं। 55 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि पर बिना उर्वरक के उगाए जाने पर यह पौधा किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 1.5-2 लाख रुपये तक की आय प्रदान करने की क्षमता रखता है। केले का फाइबर प्रतिवर्ष लगभग 1.8 मिलियन टन उत्पादन की क्षमता रखता है और कृषि अवशेषों से किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान कर सकता है, जबकि बांस प्रति हेक्टेयर 60 टन तक बायोमास उत्पादन करने की क्षमता रखता है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए बड़े अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। भाँग भी एक उभरता हुआ वैश्विक बाज़ार बन रहा है, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में जिसकी खेती की पहले से ही अनुमति है। फ्लैक्स, सिसल, रेमी, पीएएलएफ, बिछुआ या नेटल और कपोक जैसे फाइबरों के साथ मिलकर ये सभी भारत के टिकाऊ एवं प्राकृतिक फाइबर आधार का निरंतर विस्तार कर रहे हैं। इस वैज्ञानिक गति को आगे बढ़ाते हुए,न्यू एज फाइबर्स पर राष्ट्रीय सेमिनार एक ऐसे मंच के रूप में उभरा, जहाँ विज्ञान, नीति और उद्यम एक साथ आ सके। इसने शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, किसान संगठनों, उद्योग जगत के दिग?गजों और नीति-निर्माताओं को एक ही मंच पर एकत्रित किया। सभी दस प्राथमिकता प्राप्त फाइबर्स को कवर करने वाले तीन कार्य बलों की रिपोर्टें जारी की गईं, जिन्होंने क्षेत्रीय विज्ञान को सीधे योजनाओं के डिज़ाइन और निवेश की प्राथमिकताओं में बदल दिया। इस सेमिनार ने मानकों, प्रसंस्करण अवसंरचना और संस्थागत वित्तपोषण में मौजूद खामियों की भी स्पष्ट रूप से पहचान की , जो एक ऐसे मिशन को दर्शाता है जो केवल नीति नहीं, बल्कि वास्तविक क्रियान्वयन पर केंद्रित है। इसमें प्रमुख प्राथमिकताएँ: उत्पादन को पाँच वर्षों में 10,000 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 10 लाख मीट्रिक टन तक पहुँचाना, गुणवत्ता मानकों का विकास करना, मशीनरी के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना, आयातित प्रसंस्करण तकनीक पर निर्भरता कम करना और खेती से लेकर मूल्य संवर्धन तक क्लस्टर आधारित फाइबर इकोसिस्टम का निर्माण करना सामने आईं। ये सभी कदम मिलकर न्यू एज फाइबर्स को ग्रामीण समृद्धि और टिकाऊ विकास के लिए एक संपूर्ण सरकारी मिशन बनाते हैं।

शायद सबसे परिवर्तनकारी कार्य फाइबर ब्लेंडिंग है। भारत की वास्तविक शक्ति किसी एक फाइबर में नहीं, बल्कि उन्हें समझदारी से संयोजित करने में निहित है- जैसे थर्मल हल्केपन के लिए मिल्कवीड, गर्माहट के लिए ऊन, ब्रीदेबिलिटी के लिए बांस, और कोमलता के लिए कपास। मिश्रित कपड़ा या ब्लेंडेड फैब्रिक कोई समझौता नहीं है; यह प्रदर्शन को उन्नत बनाना है – ऐसे कपड़े तैयार करना जो अधिक मजबूत, अधिक स्मार्ट और अधिक टिकाऊ हों, साथ ही बेहतर आराम, नमी सोखने की क्षमता, टिकाऊपन तथा फैशन, जीवनशैली और तकनीकी वस्त्रों में बहुपयोगिता प्रदान करें।

इसके लाभ पूरी मूल्य शृंखला में फैलते हैं। उपभोक्ताओं को बेहतर आराम और कार्यक्षमता मिलती है, निर्माताओं को प्रीमियम और विशिष्ट उत्पाद विकसित करने का अवसर मिलता है, और किसानों को विविध प्रकार की मांग तथा अधिक मजबूत आय प्राप्त होती है। भारत के लिए, ब्लेंडिंग या मिश्रण केवल एक तकनीकी नवाचार भर नहीं है; यह कच्चे फाइबर आपूर्ति से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, मूल्य-संवर्धित और भारतीय पहचान से जुड़े ब्रांड्स तक पहुँचने का एक सेतु है।

असल में, न्यू एज फाइबर मुहिम जीवन को रूपांतरित करने, किसानों के लिए अवसर सृजित करने, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बनाने, महिलाओं को सशक्त करने और उद्यमियों को स्थानीय संसाधनों से वैश्विक व्यवसाय खड़ा करने में सक्षम बनाने के बारे में है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन?द्र मोदी के 5एफ विज़न-खेत से फाइबर, कपड़े से फैशन और विदेश तक-से प्रेरित, भारत की ग्रीन फाइबर क्रांति कोई दूर का सपना नहीं है। रणनीति तय है, संस्थान सक्रिय हैं, विज्ञान प्रमाणित हो चुका है, और उद्यमी तैयार हैं। आज भारत जो कर रहा है-फाइबर दर फाइबर, मिश्रण दर मिश्रण, क्षेत्र दर क्षेत्र, और खेत दर खेत-अपनी वस्त्र गाथा का अगला महान अध्याय लिख रहा है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं)

लोभ मानव जीवन का सबसे बड़ा शत्रु

कांतिलाल मांडोत

इच्छाएँ जीवन को गति देती हैं और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं, किंतु जब यही इच्छाएँ सीमा का अतिक्रमण कर लेती हैं और केवल अधिक से अधिक प्राप्त करने की अंधी दौड़ में परिवर्तित हो जाती हैं, तब वे लोभ का रूप धारण कर लेती हैं। लोभ या लालच ऐसा दुर्गुण है जो मनुष्य के समस्त सद्गुणों को नष्ट कर देता है और उसके जीवन में अनेक प्रकार की समस्याओं तथा दुखों का कारण बनता है। इसी कारण सभी धर्मों और महान विचारकों ने लोभ को पापों की जड़ तथा मानव पतन का प्रमुख कारण बताया है।

मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति नहीं है, बल्कि आत्मिक उन्नति, सद्गुणों का विकास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह भी है। मनुष्य के भीतर अनेक प्रकार की इच्छाएँ और आकांक्षाएँ होती हैं। इच्छाएँ जीवन को गति देती हैं और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं, किंतु जब यही इच्छाएँ सीमा का अतिक्रमण कर लेती हैं और केवल अधिक से अधिक प्राप्त करने की अंधी दौड़ में परिवर्तित हो जाती हैं, तब वे लोभ का रूप धारण कर लेती हैं। लोभ या लालच ऐसा दुर्गुण है जो मनुष्य के समस्त सद्गुणों को नष्ट कर देता है और उसके जीवन में अनेक प्रकार की समस्याओं तथा दुखों का कारण बनता है। इसी कारण सभी धर्मों और महान विचारकों ने लोभ को पापों की जड़ तथा मानव पतन का प्रमुख कारण बताया है।

लोभ का अर्थ है आवश्यकता से अधिक पाने की तीव्र और अनियंत्रित इच्छा। सामान्य इच्छाएँ मनुष्य के विकास के लिए आवश्यक होती हैं, परंतु जब व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं से आगे बढ़कर केवल संग्रह, स्वार्थ और भौतिक संपत्ति को ही जीवन का लक्ष्य बना लेता है, तब लोभ उत्पन्न होता है। लोभी व्यक्ति को कभी संतोष नहीं मिलता। उसके पास चाहे कितना भी धन, वैभव और प्रतिष्ठा क्यों न हो, वह और अधिक पाने की लालसा में निरंतर व्याकुल रहता है। यही असंतोष उसके मन की शांति छीन लेता है और उसे अनेक अनैतिक कार्यों की ओर प्रेरित करता है।

लोभ को पापों का जनक कहा गया है क्योंकि इसके प्रभाव में आकर व्यक्ति सही और गलत का भेद भूल जाता है। वह अपने लाभ के लिए दूसरों का अहित करने में भी संकोच नहीं करता। इतिहास और वर्तमान समाज दोनों इस बात के साक्षी हैं कि अधिकांश अपराधों के पीछे किसी न किसी रूप में लोभ ही कार्य करता है। चोरी, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, शोषण, विश्वासघात और हिंसा जैसी अनेक बुराइयों की जड़ में लालच ही पाया जाता है। जब व्यक्ति धन और संपत्ति को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य मान लेता है, तब उसके भीतर करुणा, दया, प्रेम, सत्य और ईमानदारी जैसे गुण धीरे-धीरे समाप्त होने लगते हैं। उनकी जगह क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या और छल-कपट जैसे दुर्गुण जन्म लेने लगते हैं।

आज के भौतिकवादी युग में लोभ की समस्या और भी अधिक बढ़ गई है। आधुनिक समाज में सफलता का मापदंड प्राय: धन और वैभव को माना जाने लगा है। लोग अधिक धन कमाने और दूसरों से आगे निकलने की होड़ में लगे हुए हैं। इस प्रतिस्पर्धा ने मानव संबंधों को भी प्रभावित किया है। अनेक बार व्यक्ति अपने परिवार, मित्रों और समाज के हितों की उपेक्षा करके केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगा रहता है। धन कमाना गलत नहीं है, परंतु जब धन ही जीवन का केंद्र बन जाता है, तब जीवन का संतुलन बिगड़ जाता है। व्यक्ति बाहरी रूप से समृद्ध दिखाई देता है, किंतु भीतर से अशांत और असंतुष्ट बना रहता है।

लोभ का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि यह मनुष्य के विवेक को नष्ट कर देता है। लोभी व्यक्ति को अपने कर्मों के परिणामों का विचार नहीं रहता। वह तत्काल लाभ के आकर्षण में पड़कर ऐसे निर्णय लेता है जो अंतत: उसके लिए हानिकारक सिद्ध होते हैं। कई बार व्यक्ति अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए उन लोगों का भी विश्वास तोड़ देता है जिन्होंने जीवनभर उसका साथ दिया होता है। इस प्रकार लोभ केवल व्यक्ति का ही नहीं बल्कि उसके संबंधों और सामाजिक प्रतिष्ठा का भी विनाश कर देता है।

एक प्रसिद्ध कथा इस सत्य को स्पष्ट करती है। एक धनी व्यापारी को ऐसी शक्ति प्राप्त हो गई जिससे वह जिस वस्तु को स्पर्श करता, वह सोने में बदल जाती। प्रारंभ में उसे अपनी इस शक्ति पर बहुत गर्व हुआ और वह अत्यंत प्रसन्न हुआ। उसने अपने घर की अनेक वस्तुओं को सोने में बदल दिया। किंतु जब उसके स्पर्श से उसकी प्रिय पत्नी भी स्वर्ण प्रतिमा बन गई, तब उसे अपनी भूल का एहसास हुआ। उसने समझा कि धन और सोना जीवन की वास्तविक खुशियों का स्थान नहीं ले सकते। प्रेम, संबंध, अपनापन और मानवीय संवेदनाएँ किसी भी भौतिक संपत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान हैं। इस घटना ने उसके जीवन की दिशा बदल दी और उसे वैराग्य तथा आत्मचिंतन की ओर प्रेरित किया।

वास्तव में मनुष्य की आवश्यकताएँ सीमित होती हैं, परंतु उसकी लालसाएँ असीमित हो सकती हैं। यदि इच्छाओं पर नियंत्रण न रखा जाए तो वे कभी समाप्त नहीं होतीं। जितना अधिक व्यक्ति प्राप्त करता है, उतना ही अधिक पाने की इच्छा उसके भीतर जन्म लेती है। यह स्थिति उस समुद्र के समान है जो अनगिनत नदियों का जल प्राप्त करने के बाद भी कभी नहीं भरता। इसलिए संतोष को मानव जीवन का सबसे बड़ा धन माना गया है। संतोष का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति प्रयास करना छोड़ दे, बल्कि इसका अर्थ है अपनी उपलब्धियों के प्रति कृतज्ञ रहना और अनैतिक साधनों से अधिक प्राप्त करने की लालसा से बचना।

आध्यात्मिक दृष्टि से भी लोभ अत्यंत हानिकारक है। यह मनुष्य को आत्मिक उन्नति से दूर कर देता है। जब व्यक्ति का मन केवल भौतिक वस्तुओं में उलझा रहता है, तब वह अपने वास्तविक स्वरूप और जीवन के उच्च उद्देश्यों को भूल जाता है। आत्मा का सुख बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि आंतरिक शांति, सदाचार और आत्मज्ञान से प्राप्त होता है। इसलिए सभी धर्मों ने संयम, त्याग और संतोष को महत्वपूर्ण गुण माना है। जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करना सीख लेता है, वही वास्तविक सुख और शांति का अनुभव कर सकता है।

एसी कमरे में बैठकर क्रान्ति की कड़वी बातें

राधा रमण

राजनीति की डगर काफी उबड़-खाबड़ होती है, पथरीली होती है। उसमें धूप में चलना होता है। सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करना होता है। नारेबाजी करनी होती है, जेल जाना होता है और जरूरत पड़ने पर पुलिस की लाठी भी खानी होती है। एयरकंडीशनर (एसी) कमरों में बैठकर तो सिर्फ मीठी-मीठी बातें होती है। क्या आपको लगता है कि देश के सियासी दल खासकर विपक्ष के दल सड़क पर उतरने की हालत में हैं ? कम से कम मुझे तो ऐसा नहीं लगता। लगभग दो साल बाद इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्ल्यूसिव अलायंस (इंडिया) की बैठक नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में हुई, जिसमें पांच मुद्दों पर सहमति की बात कही गई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि इंडिया गठबंधन के नेता मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), वोटर लिस्ट में हेरफेर और चुनाव की निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखेंगे। इसके अलावा बैठक में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई। देश में आर्थिक स्थिति की बदहाली, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की सरकार से मांग की गई। बैठक में यह भी तय किया गया कि इंडिया गठबंधन के नेता हर दूसरे महीने मिलते, बैठक करते और जन सरोकार के मुद्दे उठाते रहेंगे। साथ ही संसद के मानसून सत्र के दौरान इंडिया गठबंधन के सांसद रोज बैठक करते रहेंगे। अब इसका विश्लेषण करते हैं। एसआईआर को लेकर पहले भी विपक्ष के कई दल सुप्रीम कोर्ट जा चुके हैं और मुंह की खाकर लौटे हैं। अब सीजेआई को पत्र लिखने से क्या नया हो जाएगा ? नीट पेपर लीक और सीबीएसई 12वीं बोर्ड की नई ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) को लेकर राहुल गांधी लंबे समय से शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अभी तक इस्तीफा नहीं मिला। मिलने की उम्मीद भी कम है, क्योंकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 2015 में ही स्पष्ट कर चुके हैं कि यह सरकार इस्तीफा देनेवाली नहीं है। तब से सरकार उसी लकीर पर चल रही है। बीच में कई मामले आए, चाहे वह तत्कालीन गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी का मामला हो, मंत्री कौशल किशोर का हो, बंदी संजय का हो, ब्रजभूषण शरण सिंह का हो अथवा हरदीप पुरी का हो, पिछले 12 वर्षों में एम जे अकबर के अलावा किसी ने इस्तीफा नहीं दिया है। अकबर का मामला भी अपवाद कहा जा सकता है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने उनसे इस्तीफा नहीं मांगा था। मीटू में नाम आ जाने और चरित्र हनन से आजिज आकर उन्होंने खुद ही पद छोड़ दिया था। अब बात सर्वदलीय बैठक बुलाने की करते हैं। अगर विपक्ष के पास देश की बदहाल आर्थिक स्थिति से निकलने, महंगाई पर अंकुश लगाने, बेरोजगारी दूर करने और किसानों की आय बढ़ाने का कोई रोडमैप है, तो उसे जनता को बताना चाहिए। हो सकता है सरकार भी उससे सीख ले लेती। फिर क्या सरकार इन मुद्दों के प्रति गंभीर नहीं है ? कृषि मंत्री संसद के पिछले सत्र में ही कह चुके हैं कि सरकार के प्रयास से किसानों की आय दोगुनी हो गई है। तब संसद में बैठे विपक्ष के लोग क्या कर रहे थे। यह अलग बात है कि किसान अपनी बदहाली और बढ़ते कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में यह भी तय किया गया कि गठबंधन के नेता हर दूसरे महीने मिलते- बैठक करते रहेंगे और मानसून सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में रोज बैठक करंगे। करिए, किसने रोका है ? लेकिन इससे क्या हो जाएगा ? मुझे कहने दीजिए कि देश में इंडिया गठबंधन के नेताओं के पास सरकार के विरोध का कोई रोडमैप नहीं है। जिन क्षेत्रीय दलों के सहयोग से कांग्रेस राजनीतिक लड़ाई का व्यूह रचना चाहती है, उनका वजूद तो कांग्रेस के पुराने वोटरों से ही तो है।

खास बात

राहुल गांधी फुल फॉर्म पर ?

राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के संगठन को लेकर बहुत गंभीर हैं. वह पुराने छत्रपों के स्थान पर नए कार्यकर्ताओं को तरजीह दे रहे हैं. केंद्र की सरकार सभी पुराने छत्रपों पर किसी न किसी रूप में शिकंजा कस लेती है. नए नेता और कार्यकर्ता जिनमें जज्बा होता है। सरकार उन पर कोई मुकदमा नहीं लगा सकती है, ना डरा सकती है। ऐसे नेताओं को राहुल गांधी आगे बढ़ा रहे हैं। जो केंद्र सरकार की परेशानियों को बढ़ा रहे हैं। मोदी सरकार सबसे ताकतवर होते हुए भी यदि सबसे ज्यादा परेशान है, तो वह राहुल गांधी से। भाजपा के लोग पहले बोलते थे मोदी नहीं तो कौन, अब दिन रात राहुल गांधी के नाम की माला जप रहे हैं।

हिटलर और मुसेलेनी चर्चाओं में

भारत की राजनीति में इन दिनों तानाशाह और फांसीबाद के प्रतीक हिटलर और मुसैलेनी की चर्चा हो रही है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पिछले दिनों कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तानाशाही और फांसीबाद के प्रतीक हैं। रेवंथ रेड्डी हाइड्रा प्रोजेक्ट का उल्लेख कर रहे थे। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छात्र संगठन में थे। हाल ही में उन्होंने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की है। उन्होंने हिटलर और मुसेलेनी की चर्चा करते हुए कहा, संघ के बीआर मुंजे ने इटली में मुसेलेनी के संगठन का अध्ययन किया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिटलर और मुंसोलिनी से प्रेरित था। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में इन्हीं दोनों के नक्शे कदम पर चल रहे हैं।

संजय झा ने बताया आधा सच

जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने एक अंग्रेजी अखबार को दिए हुए साक्षात्कार में आधा सच ओर आधा झूठ बताया है। राजनेता झूठ बोलने में माहिर होते हैं। इंडिया गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा,अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी ने नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने की सहमति दे दी थी। कांग्रेस इसके लिए नहीं मानी। जिसके कारण इंडिया गठबंधन से आम आदमी पार्टी और नितीश बाबू ने दूरी बना ली थी। यह आधा अधूरा सच है।

कर्नाटक की राजनीति में जाना चाहते हैं,कुमार स्वामी ?

कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिव कुमार बन गए हैं. उसके बाद से केंद्रीय मंत्री एचडी कुमार स्वामी दिल्ली छोड़कर कर्नाटक में राजनीति करना चाहते हैं। वाईएस येदुरप्पा बहुत बूढ़े हो चुके हैं। कुमार स्वामी को लगता है, वह कर्नाटक चले जाएंगे तो एक बार फिर बड़े नेता बन जाएंगे। वह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के चक्कर लगा रहे हैं। उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल से मुक्त किया जाए, कर्नाटक की राजनीति में सक्रिय किया जाए।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, द्वादशी, शुक्रवार, भरणी नक्षत्रे, आद्र योगे, तैतिल करणे, मेष की चंद्रमा, प्रदोष व्रत, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलप्रद होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्द-हठी, स्वाभिमानी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपल, वक्ता-अधिवक्ता, नेता, शासक-प्रशासक, विधायक, राजमंत्री, पंडित, विद्वान, मठ-मंदिर का निर्माणकर्ता होगा।

मेष राशि- स्वभाव में आकस्मिक परिवर्तन ही सफलता है, व्यवसाय में उन्नति होगी।

वृष राशि- कार्य में सफलता मिलेगी, मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, शत्रु वर्ग का जोर होगा।

मिथुन राशि- यह सप्ताह उत्तम फलकारक है, अधिकारियों का पूर्ण सहयोग अवश्य मिलेगा।

कर्क राशि- नौकरी में व्यावधान हो सकता है, व्यवसाय ठीक नहीं है, भवुकता से हानि होगी।

सिंह राशि- आनंद का अनुभव करेंगे, केतु गृह पीड़ा कारक है, काफी मतभेद अवश्य होंगे।

कन्या राशि- मनोरंजन में अति हर्ष होगा, व्यवसाय में लाभ होगा तथा कार्य अवश्य होगा।

तुला राशि- पारिवारिक उत्तर दायित्व की वृद्धि होगी, आमोद-प्रमोद में विरोध अवश्य होगा।

वृश्चिक राशि- मानसिक तनाव अनावश्यक बढ़ेगा, स्वजनों की सहायता अनुभूति अवश्य होगी।

धनु राशि- व्यवसाय की उन्नति में आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार अवश्य होगा, ध्यान दें।

मकर राशि- विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारियों की कृपा का लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि- इष्ट मित्रों से अच्छा सहयोग मिले तथा उत्तम लाभ के योग अवश्य बनेंगे।

मीन राशि- गृह-कलह, हीन मनोवृत्ति, शरीर पीड़ा, परेशानी अवश्य ही बनेगी, व्यापार में व्यावधान होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

12 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	मेष में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05.31 बजे से
कर्क	07.44 बजे से
सिंह	10.01 बजे से
कन्या	12.12 बजे से
तुला	14.23 बजे से
वृश्चिक	16.38 ब.से
धनु	18.54 बजे से
मकर	20.59 बजे से
कुंभ	22.45 बजे से
मीन	00.18 बजे से
मेष	01.49 बजे से
वृष	03.29 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 163 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वादशी 19.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 06.29 बजे तदनन्तर भरणी 04.06 बजे रात्र को समाप्त।
योग अतिगण्ड 21.26 बजे को समाप्त।
करण कौलव 09.11 बजे तदनन्तर तैतिल 19.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 08'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872738
जूलियन दिन 2461203.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

ईरान पर 22 देशों का आरोप, विरोधियों और पत्रकारों को निशाना बना रहा

नई दिल्ली। अमेरिका और ब्रिटेन सहित 22 देशों ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह विदेशों में रह रहे लोगों को धमकाने, उनका अपहरण करने और उन पर हमले की कथित साजिशों में शामिल है। इन देशों ने संयुक्त बयान जारी कर ऐसी गतिविधियों को तुरंत रोकने की मांग की है और अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सामूहिक प्रतिबद्धता जताई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी), उसकी कुद्स फोर्स और खुफिया एजेंसियां कथित रूप से ईरानी सरकार के विरोधियों, पत्रकारों तथा यहूदी और इजराइली समुदाय से जुड़े लोगों को निशाना बना रही हैं। बयान में इन गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया गया है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि संबंधित देश मिलकर इन खतरों का मुकाबला करेंगे और ईरान से अपेक्षा करते हैं कि वह ऐसी सभी कथित कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से बंद करे।

नेपाल से भारत ले जाया जा रहा 922 किलोग्राम गांजा बरामद

काठमांडू। नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने आज सुबह देश से भारत ले जाया जा रहा 922 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। यह बरामदगी मोरंग जिले के सीमावर्ती क्षेत्र के जहदा से हुई है। सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल सीमा सुरक्षा बल के सोमबारी बीओपी, नोचा तथा तरेगामा पोस्ट से खटाई गई संयुक्त टोली ने इस संबंध में पिकअप वाहन और मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया है। यह गांजा 29 पैकेटों में धान की भूसी की बोरियों के नीचे छुपाकर पिकअप में रखा गया था। एपीएफ के अनुसार, पिकअप के एक मोटरसाइकिल (बीआर 38 जेड 7452) आगे चल रही थी। सुरक्षा कर्मियों को देखते ही दोनों चालक अपने वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।

असली तृणमूल कौन है, चुनाव आयोग करेगा फैसला : काकोली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कथित विभाजन को लेकर चल रही अटकलों के बीच बारासात से लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तिदार के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि पार्टी के भीतर एक अलग समूह के साथ लगभग 20 सांसद जुड़े हुए हैं और 'असली तृणमूल' का फैसला चुनाव आयोग करेगा। गुरुवार को मीडिया से बातचीत में सांसद ने कहा कि उनके साथ 20 सांसद हैं और वे सभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ रहने के पक्ष में हैं। उन्होंने दावा किया कि हमारे साथ 20 सांसद हैं, इसलिए असली तृणमूल हम ही हैं। अंतिम फैसला चुनाव आयोग करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब टीएमसी के भीतर नेतृत्व और संगठन को लेकर असंतोष की चर्चाएं तेज हैं और पार्टी के भीतर दो धड़ों की अटकलें राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। काकोली घोष दस्तिदार ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम को हाल के चुनावी परिणामों से जोड़कर देखना गलत है। उन्होंने दावा किया कि यह प्रक्रिया अचानक नहीं शुरू हुई, बल्कि पिछले लगभग दो वर्षों से इस पर चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि हम चुनाव हारने के बाद ऐसा कर रहे हैं। यह प्रक्रिया दो साल से चल रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ 40 वर्षों का संबंध रहा है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में वे अलग राजनीतिक रुख अपना रहे हैं। विपक्ष के नेता और पार्टी के भीतर अलग धड़े के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन दावों से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि ऋतब्रत बनर्जी क्या करना चाहते हैं, इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। हम पहले ही एनडीए के साथ रहने का निर्णय ले चुके हैं।

दुबई सड़क हादसे में मारे गए छह भारतीय प्रवासी और एक श्रीलंका का रहने वाला युवा

दुबई। एमिरेट्स रोड पर रविवार को हुए सड़क हादसे में मारे गए सभी सात कर्मचारियों की पहचान कर ली गई है। नियोक्ता कंपनी ने पुष्टि की है कि मृतकों में छह भारतीय प्रवासी और एक श्रीलंका का रहने वाला युवा है। इनमें तीन युवक उत्तर प्रदेश और तीन तेलंगाना के हैं। नियोक्ता कंपनी का मुख्यालय शारजाह में है। गल्फ न्यूज के अनुसार, नियोक्ता कंपनी बताया कि जान गंवाने वाले भारतीय प्रवासी कर्मचारियों में मार्कंडेय चौहान (39), अब्दुल रशीद (38) और मोहम्मद साकिब (31) उत्तर प्रदेश के हैं। सलीम सैयद (51), अब्दुल रफीक (37) और तिरुपति गोल्लापल्ली (23) तेलंगाना से हैं। सातवें मृतक सैमुअल रेंगासामी (34) श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के रहने वाले थे। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि सात में से पांच कर्मचारी 30 से 40 साल की उम्र के बीच के थे। उनमें सबसे कम उम्र के तिरुपति गोल्लापल्ली पिछले ही महीने 23 साल के हुए थे। सबसे उम्रदराज सलीम सैयद का जन्म भी दस्तावेजों के अनुसार मई में हुआ था। मोहम्मद साकिब अपने 32वें जन्मदिन से बस कुछ ही सप्ताह दूर थे।

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने पिछले 12 वर्षों में वस्त्र मंत्रालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा

कपड़ा उद्योग अगले 3 वर्षों में लगभग 2 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित करेगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को पिछले 12 वर्षों में वस्त्र मंत्रालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वस्त्र और परिधान क्षेत्र में अगले 3 वर्षों में लगभग 2 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित करने की उम्मीद है।

गिरिराज सिंह ने आज दिल्ली स्थित नेताजी नगर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, 'वस्त्र और परिधान क्षेत्र वर्तमान में 53 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियां भारत को कम लागत वाले उत्पादक से डिजाइन-आधारित, नवाचार-संचालित, टिकाऊ और निर्यात-उन्मुख वैश्विक वस्त्र केंद्र में बदलने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 5एफ विजन (खेत से रेशा, रेशा से कारखाना, कारखाना से फैशन और फैशन से विदेश) के मार्गदर्शन में यह क्षेत्र किसानों, निर्माताओं, बुनकरों, कारीगरों और निर्यातकों को जोड़ने वाली एक मजबूत और एकीकृत मूल्य श्रृंखला के रूप में विकसित हुआ है। मंत्री ने कहा कि भारत का वस्त्र उद्योग 2025-26 में लगभग 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया है और 2030 तक 350 अरब डॉलर का लक्ष्य हासिल करने की राह पर है। घरेलू वस्त्र बाजार 2014-15 में लगभग 6 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 16 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो इस क्षेत्र के मजबूत विस्तार और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में बढ़ते योगदान को दर्शाता है। गिरिराज सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार ने संपूर्ण वस्त्र उद्योग को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार और प्रमुख पहलें लागू की हैं। इनमें पीएम मित्रा पार्क, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम), वस्त्र निर्यात संवर्धन मिशन (टीईईएम), राष्ट्रीय फाइबर मिशन और कच्चा माल सहायता योजना (आरएमएसएस) शामिल हैं, जो निवेश, तकनीकी उन्नति, स्थिरता और निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रही हैं। कपास किसानों को समर्थन देने और उद्योग के लिए पर्याप्त कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने कपास उत्पादकता मिशन शुरू किया और कपास पर आयात शुल्क हटा दिया। आरओएससीटीएल और आरओडीटीईपी जैसी योजनाओं के माध्यम से निर्यात प्रतिस्पर्धा को मजबूत किया गया है जबकि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का नेटवर्क 2014 में 19 देशों को कवर करने वाले 10 एफटीए से बढ़कर 56 देशों को कवर करने वाले 18 एफटीए तक पहुंच गया है, जिससे निर्यात और निवेश के नए अवसर पैदा हुए हैं। वैश्विक व्यापार चुनौतियों के बावजूद, भारत ने अपने निर्यात गंतव्यों में विविधता लाई है और 135 देशों में निर्यात वृद्धि दर्ज की है।

वस्त्र राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने पिछले 12 वर्षों में वस्त्र क्षेत्र की उपलब्धियों पर बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों ने अभूतपूर्व विकास, सशक्तिकरण और बाजार एकीकरण देखा है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के माध्यम से लगभग दो हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिससे उन्नत करघों, कौशल विकास, बुनियादी ढांचागत सहायता और बेहतर बाजार पहुंच के माध्यम से लाखों बुनकरों को लाभ हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस इंडिया हैंडमेड पोर्टल, जीआई टैगिंग, मेगा हथकरघा क्लस्टर और बुनकरों की मुद्रा योजना जैसी पहलों ने आजीविका को मजबूत किया है और बिचौलियों पर निर्भरता कम की है। वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने कहा कि वस्त्र क्षेत्र एक प्रमुख कार्यबल और उभरती हुई उद्यमियों के रूप में महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वस्त्र मिशन के तहत देश में अभिनव परियोजनाएं शुरू की

मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के तहत बाजार का विस्तार लगभग 6 अरब डॉलर से बढ़कर 25 अरब डॉलर हो गया है और भारत तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरा है। प्रमुख राज्यों में एकीकृत वस्त्र पार्कों और सात पीएम मित्रा पार्कों के विकास के माध्यम से 70 हजार करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने और लगभग 21 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने की उम्मीद है। प्रौद्योगिकी उन्नयन पहलों से पावरलूम क्षेत्र को लाभ हुआ है जबकि एनआईएफटी ने अपने शैक्षणिक प्रभाव का विस्तार किया है और भारत के फैशन और डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए विजनएक्सटी और इंडियासाइज जैसी अभिनव परियोजनाएं शुरू की हैं।

ईरान, बहरीन, कुवैत पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार, होर्मुज बंद, अमेरिका की चेतावनी-अब सिर्फ बमों से होगी बात

तेहरान/वाशिंगटन/ कुवैत सिटी/ मनामा ■ एजेंसी

अमेरिका ने ईरान को दिन में तारे दिखा दिए हैं। अमेरिका की सेना इस समय भी ईरान पर मिसाइल और ड्रोन से से हमले कर रही है। ईरान ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करते हुए अमेरिका के साथी देशों बहरीन और कुवैत पर हमले शुरू कर दिए हैं। इससे समूचे मध्य पूर्व में सैन्य तनाव चरम पर पहुंच गया है।

गल्फ न्यूज, अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने ईरान पर फिर हमले किए हैं। तेहरान का कहना है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने गुरुवार सुबह कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया। अमेरिकी मध्य कमान का कहना है कि आत्मरक्षा के लिए हमले जारी रहेंगे।

सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिका ने रात भर पूरे ईरान पर ताजा हमले किए। इससे तीन महीने से चल रहे संघर्ष को खत्म करने की कोशिशें रुक गईं। तेहरान ने चेतावनी दी कि अब कोई जहाज होर्मुज से गुजर कर दिखाए। तेहरान ने कहा कि बहरीन और कुवैत में जहाजों और अमेरिकी संपत्तियों पर हमला किया गया है। वाशिंगटन ने कहा कि इस रणनीतिक जलमार्ग को बंद करने का दावा झूठा है। कमर्शियल टैंकर गुजर रहे हैं। कुवैत की सेना ने कहा कि देश पर लगातार हमले हो रहे हैं। वायु रक्षा प्रणाली ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रही है। आईआरजीसी ने कहा कि बहरीन पर भी हमला किया गया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, अली और अहमद एयर फोर्स बेस पर अमेरिकी सेना के 18 महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया गया। शेख ईसा एयर बेस को उड़ा दिया गया है। बहरीन के गृह मंत्रालय गुरुवार सुबह कहा कि देश पर ईरान ने ड्रोन और मिसाइल से हमला किया है। उल्लेखनीय है कि बहरीन में अमेरिकी नौसेना का पांचवां बेड़ा तैनात है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हमने कल भी ईरान पर हमला किया था, आज उससे भी बड़ा हमला होगा। अमेरिका किसी को भी नहीं डरता। जिस दिन चाहेगा, नेतृत्व का झंडा उठाने वालों का हश्र सर्वोच्च नेता खामेनेई जैसा करेगा।

आगामी चुनावों में उप्र की जनता पुनः मोदी-योगी को देगी आशीर्वाद : गोयल

लखनऊ। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लखनऊ में कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता आगामी चुनावों में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आशीर्वाद देगी। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी ने देश को विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए कई ऐतिहासिक काम किए हैं, ये सभी काम सुनहरे अक्षरों में लिखे जाएंगे।

प्रधानमंत्री के जी7 में सहयोगी देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकें और बातचीत की उम्मीद: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 से 18 जून के बीच फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर रहेंगे और इस दौरान वे दुनिया की 7 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

विदेश मंत्रालय में पश्चिमी मामलों के सचिव सिबी जॉर्ज ने बताया कि 15 से 17 जून तक फ्रांस के एवियन में जी-7 शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। 16 और 17 जून जी7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्रों के लिए तय किए गए हैं। प्रधानमंत्री अन्य आमंत्रित देशों के साथ इसमें भाग लेंगे।

भारत को साझेदार देश के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की 13वीं भागीदारी होगी और प्रधानमंत्री मोदी लगातार सातवीं बार इस सम्मेलन में शामिल होंगे। जार्ज ने कहा, 'इस साल भारत को जी7 की कई बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। विदेश मंत्री ने इस साल की शुरुआत में पेरिस में हुई जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया था। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री के जी7 देशों, सहयोगी देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ द्विपक्षीय बैठकें और बातचीत करने की भी उम्मीद है।' विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री की यात्रा फ्रांस के तीन शहरों- नीस, एवियन और पेरिस तथा स्लोवाकिया को कवर करेगी। प्रधानमंत्री फ्रांस में 52वें जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और साथ ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

संदेशखाली में तालाब से 16 आग्नेयास्त्र और 2345 जिंदा कारतूस बरामद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली हथियार मामले में राज्य पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) को जांच के दौरान एक और बड़ी सफलता मिली है। ताजा कार्रवाई में बसिरहाट पुलिस जिला क्षेत्र में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान गुरुवार को एक तालाब से 16 अतिरिक्त आग्नेयास्त्र और 2345 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। एसटीएफ द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्रवाई बसिरहाट और बारुईपुर क्षेत्र में चल रहे संयुक्त अभियान का हिस्सा है।

मेघालय की आवाज बनेंगे जेम्स संगमा राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

शिलांग ■ एजेंसी

मेघालय की एकमात्र राज्यसभा सीट पर नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के वरिष्ठ नेता जेम्स संगमा निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। नामांकन वापसी प्रक्रिया पूरी होने के बाद मेघालय विधानसभा के सचिव एवं रिटर्निंग अधिकारी माल्थस एस. संगमा ने उन्हें निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपकर उनकी जीत की औपचारिक घोषणा की।

प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद जेम्स संगमा ने कहा कि राज्यसभा में मेघालय का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वह संसद में मेघालय और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की आवाज को मजबूती से उठाने का प्रयास करेंगे, ताकि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उचित महत्व मिल सके।

उन्होंने कहा कि खासी और गारो भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने तथा मेघालय में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लागू करने जैसे लंबे समय से लंबित मुद्दों को वह प्राथमिकता के आधार पर संसद में उठाएंगे। उन्होंने कहा कि इन दोनों विषयों पर मेघालय विधानसभा पहले ही प्रस्ताव पारित कर चुकी है।

जेम्स संगमा ने यह भी कहा कि वह राज्य सरकार और केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ समन्वय स्थापित कर विकास परियोजनाओं को गति देने तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रयास करेंगे। अपनी उम्मीदवारी को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर मतभेदों की अटकलों पर उन्होंने कहा कि अंततः सभी सहयोगी दलों ने सर्वसम्मति से उनका समर्थन किया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा बताया। सीमा सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के मुद्दों पर संगमा ने कहा कि वह सीमा बाड़बंदी सहित लंबित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए राज्य और केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। साथ ही उन्होंने बांग्लादेश के साथ व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जिससे मेघालय की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है।

अरुणाचल : ताई तागाक राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश से राज्यसभा के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार ताई तागाक को गुरुवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। नामांकन वापस लेने की समय-सीमा खत्म होने तक मैदान में कोई अन्य उम्मीदवार नहीं था। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर यह जानकारी दी और कहा कि ताई तागाक का राज्यसभा सांसद के तौर पर निर्विरोध चुना जाना अरुणाचल प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। वर्षों तक राज्य की सेवा करने के बाद, अब उन पर राष्ट्रीय स्तर पर हमारे लोगों की उम्मीदों, चिंताओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी है। सार्वजनिक जीवन में उनका व्यापक अनुभव निश्चित रूप से संसद में अरुणाचल प्रदेश की आवाज को मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस योग्य उपलब्धि के लिए उन्हें मेरी हार्दिक बधाई।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्पीकर का आदेश मांगा फिलहाल नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे ऋतब्रत बनर्जी

कोलकाता ■ एजेंसी

मामले की अगली सुनवाई 16 जून को होगी

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी बने रहेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता पद को लेकर जारी राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अदालत ने सवाल उठाया कि क्या विधानसभा अध्यक्ष किसी राजनीतिक दल की सहमति के बिना उसके कथित बागी विधायक को विपक्ष का नेता मान्यता दे सकते हैं, विशेषकर तब जब उसे पार्टी से निष्कासित किया जा चुका हो।

उच्च न्यायालय ने फिलहाल कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया है। अदालत ने कहा कि पहले विधानसभा अध्यक्ष का आदेश रिकॉर्ड पर लाया जाए, उसके बाद ही मामले के गुण-दोष पर विचार किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 16 जून को होगी। अदालत की ओर से कोई रोक न लगाए जाने के कारण ऋतब्रत बनर्जी फिलहाल पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में बने रहेंगे।

न्यायमूर्ति कृष्ण राव की एकल पीठ गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसके तहत ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता और मुख्य सचेतक के रूप में मान्यता दी गई है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या विधानसभा अध्यक्ष किसी राजनीतिक दल की सहमति के बिना किसी बागी नेता को विपक्ष का नेता मान्यता दे सकते हैं? जिसे विपक्ष का नेता बनाया गया है, वह अब किसी राजनीतिक दल में नहीं है। उसे पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच ओमान से भारत के लिए बुरी खबर

ओमान में जहाज पर हमला, 20 भारतीय सही सलामत

मस्कट /तेहरान /वाशिंगटन / नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के हमलों के बीच आज ओमान से भारत के लिए अच्छी खबर नहीं आई। ओमान में कमर्शियल जहाज पर हमले की पुष्टि भारत सरकार ने कर दी है। इसमें 20 भारतीय नाविक सवार हैं। सुकून यह है कि सभी सही सलामत हैं। ईरान की सेना ने अमेरिकी हमलों के जवाब में ड्रोन और मिसाइल की बौछार कर बहरीन, कुवैत और जॉर्डन को दहला दिया है। पूरा मध्य पूर्व तनाव से हिल गया है। चीन से सभी पक्षों से पीछे लौटने की अपील की है। ईरान ने कहा है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद कर दिया है।

टाइम्स ऑफ ओमान, अल जजीरा, गल्फ न्यूज, सीबीएस न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अमेरिका से फारस की खाड़ी इलाके में जहाजों पर हमले रोकने को कहा है। इस जहाज पर हमले से पहले ऐसी ही घटना में तीन भारतीयों की मौत हो चुकी है। भारत ने कड़ी चिंता जताते हुए अमेरिका से होर्मुज जलडमरूमध्य के पास जहाजों पर हमले रोकने को कहा है।

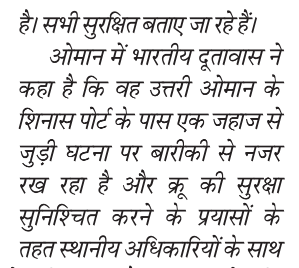

नई दिल्ली में आज संवाददाता सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि एमटी सेटेबेलो जहाज पर हमले के बाद अमेरिकी पक्ष के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत के विदेश मंत्रालय के सचिव असीम महाजन ने आज बताया कि आज ही ओमान के तट के पास एक और कमर्शियल जहाज एमटी जलवीर पर भी हमला किया गया। गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले इस जहाज पर 20 भारतीय क्रू मेंबर है। सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

ओमान में भारतीय दूतावास ने कहा है कि वह उत्तरी ओमान के शिनास पोर्ट के पास एक जहाज से जुड़ी घटना पर बारीकी से नजर रख रहा है और क्रू की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहा है। दूतावास ने पुष्टि की कि एमटी जलवीर से क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इसमें रॉयल नेवी ऑफ ओमान की मदद ली गई। उल्लेखनीय है कि शिनास पोर्ट ओमान के नॉर्थ अल बातिनाह गवर्नरेट में स्थित है और देश के समुद्री व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

मौजूदा परिदृश्य पर ईरानी अधिकारी ने कहा कि जब तक अमेरिका ईरान के हितों का सम्मान नहीं करता, तब तक युद्ध जारी रहेगा। अधिकारी मोहम्मद मोखबेर ने कहा कि भविष्य में अमेरिका के किसी भी हमले का ईरान और भी कड़े और जोरदार तरीके से जवाब देगा। युद्ध का नतीजा वाशिंगटन के कदमों पर निर्भर करेगा। ईरान के विदेश मंत्रालय ने देश पर हुए अमेरिकी हमलों की निंदा करते हुए कहा है कि इससे युद्धविराम बेमतलब हो गया है। इस बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन पर एक साथ हमले किए हैं।

यह दवा अमूल्य है
खूनी बवासीर के मरीजों के लिए आवश्यक सूचना
1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित हैं
2. डाक्टरों और वैद्य-हकीमों का इलाज करा-करा कर थक गए हैं
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो गया है
तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आएं और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।
दैनिक अमृत दर्शन
6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003
मो. 9827054436

खेती से आगे बढ़ रहे किसान, मालवा-निमाड़ में उद्यानिकी और नवाचार आधारित फसलों पर बढ़ा फोकस

इंदौर ■ निसं

लंबे समय तक सोयाबीन और पारंपरिक फसलों पर निर्भर रहे मालवा-निमाड़ में अब खेती का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। किसान आय बढ़ाने और जोखिम कम करने के लिए फल, सब्जी, औषधीय और उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर रुख कर रहे हैं।

इंदौर संभाग की रबी 2025-26 समीक्षा और खरीफ 2026 की तैयारियों को लेकर आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में सामने आए जिला-वार प्रस्तुतिकरणों से स्पष्ट हुआ कि क्षेत्र में फसल विविधीकरण अब नीति और व्यवहार दोनों स्तरों पर गति पकड़ रहा है।

कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को कम मूल्य वाली फसलों के बजाय अधिक मूल्य वाली फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और इसका रकबा बढ़ाने की दिशा में योजनाबद्ध प्रयास किए जाने चाहिए। साथ ही वैज्ञानिक खेती, नई तकनीकों और कृषि नवाचारों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त ने सोयाबीन के विकल्प के रूप में अरहर पूसा-16 के उत्पादन को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने खेतों में केवल बीटी कपास पर निर्भर रहने के बजाय कपास की अन्य प्रजातियों को भी बढ़ावा देने के निर्देश दिए, ताकि कीट प्रकोप की समस्या को कम किया जा सके।

उन्होंने किसानों को जैविक खाद के उपयोग, मिट्टी परीक्षण और वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता बताई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि किसानों को समय पर बीज और उर्वरक उपलब्ध कराए जाएं तथा कृषि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए।

मालवा-निमाड़ में उभरता यह कृषि परिवर्तन संकेत देता है कि आने वाले वर्षों में क्षेत्र की पहचान केवल सोयाबीन उत्पादक क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि विविध और उच्च मूल्य वाली फसलों के केंद्र के रूप में भी स्थापित हो सकती है।

बड़वानी : केले से बढ़ रही समृद्धि

बड़वानी में केले की खेती किसानों के लिए लाभकारी व्यवसाय बन गई है। यहां उत्पादित केले की मांग देश के साथ-साथ विदेशों तक पहुंच रही है। इसके अलावा किसानों को मिलेट्स उत्पादन के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

खरगोन : सफेद मूसली बना आय का नया आधार

खरगोन में सफेद मूसली जैसी औषधीय फसल किसानों की आय का नया स्रोत बनकर उभरी है। वहीं हाईब्रिड मक्का उत्पादन को आधुनिक कृषि नवाचार के रूप में अपनाया जा रहा है, जिससे उत्पादकता और आमदनी दोनों में वृद्धि हो रही है।

आलीराजपुर : फलों – सब्जियों के नए क्लस्टर

आलीराजपुर में आम, सीताफल और पपीता जैसी फल फसलों का रकबा लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही भिंडी और टमाटर जैसी सब्जियों के उत्पादन को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिले में नए बागवानी क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं, जिससे अधिक किसानों को उन्नत खेती और बेहतर बाजार से जोड़ा जा सके।

झाबुआ : तरबूज से बनी नई पहचान

झाबुआ ने तरबूज उत्पादन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान स्थापित की है। बढ़ते उत्पादन और बेहतर विपणन व्यवस्था के कारण किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। तरबूज अब जिले की प्रमुख नकदी फसलों में शामिल हो चुका है।

बुरहानपुर : ड्रिप सिंचाई से बढ़ा मुनाफा

बुरहानपुर में ड्रिप सिंचाई तकनीक के माध्यम से केले की खेती को नई दिशा मिली है। पानी की बचत, बेहतर उत्पादन और कम लागत के कारण किसानों की शुद्ध आय में वृद्धि दर्ज की जा रही है।

खंडवा : चिया और कुसुम की बढ़ती खेती

खंडवा में चिया, कोदो और कुटकी जैसी फसलों का रकबा बढ़ रहा है। बाजार में अच्छे दाम मिलने से किसानों का इन फसलों की ओर रुझान बढ़ा है। साथ ही कुसुम की खेती को बढ़ावा देकर फसल विविधीकरण को नई दिशा दी जा रही है।

धार : ब्लूबेरी के साथ नए प्रयोग

धार जिले में ब्लूबेरी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यह फसल क्षेत्र में उच्च मूल्य वाली बागवानी के नए प्रयोग के रूप में उभर रही है और किसानों के लिए नई संभावनाएं पैदा कर रही है।

पति ने पत्नी को खिलाई सल्फास, मौत; पति व सास-ससुर को जेल भेजा

उज्जैन। भाटपचलाना थाना क्षेत्र के ग्राम बरथून में पति ने पत्नी को जहर खिलाकर मौत के घाट उतार दिया।

मृतका ने दम तोड़े से पहले मजिस्ट्रेट को दिए बयानों में खौफनाक साजिश का खुलासा किया था। 2 जून को बरथून की प्रिया बैरागी को अस्पताल में भर्ती कराया था। 5 जून को उसकी मौत हो गई थी। मजिस्ट्रेट के समक्ष 164 में दिए बयान में प्रिया ने बताया कि था कि पति बालकदास बैरागी ने उसके साथ मारपीट की और सल्फास की गोली खिला दी। मायके पक्ष ने बताया कि शादी के बाद से बालकदास, सास राजूबाई और ससुर प्रहलाददास उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। पूर्व में भी बेरहमी से मारपीट का मामला दर्ज हुआ था। बाद में समझौता हो गया था।

एक साल से लापता नाबालिग पचोर में मिली

उज्जैन। पंवासा थाना क्षेत्र के ग्राम गलपुरा से करीब एक साल पहले लापता नाबालिग पुलिस को पचोर रेलवे स्टेशन पर मिली। नाबालिग को शादी का झांसा देकर ले जाने वाले आरोपी को अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

इंदौर में बेकाबू नगर निगम टैंकर ने कई वाहनों को रौंदा, 4 घायल

इंदौर ■ निसं

इंदौर के व्यस्त पटेल ब्रिज पर गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नगर निगम का एक पानी का टैंकर अचानक बेकाबू हो गया। टैंकर को तेजी से अपनी ओर आता देख सड़क पर मौजूद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। अनियंत्रित टैंकर ने रास्ते में कई कारों और बाइकों को टक्कर मार दी, जिससे कम से कम 4 लोग घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा टैंकर के ब्रेक फेल होने के कारण हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चलते-चलते टैंकर अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया और सड़क पर आगे बढ़ते हुए एक के बाद एक कई वाहनों को टक्कर मारता चला गया। अचानक हुए इस हादसे से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और सड़क पर चीख-पुकार का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जब चालक को महसूस हुआ कि टैंकर नियंत्रण से बाहर हो चुका है, तो उसने स्थिति को संभालने की कोशिश की। चालक ने टैंकर को सड़क से हटाकर फुटपाथ की ओर मोड़ दिया, जिससे वाहन रुक गया और एक बड़ा हादसा होने से बच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि टैंकर कुछ और दूरी तक इसी तरह अनियंत्रित चलता रहता, तो कई और वाहन तथा राहगीर इसकी चपेट में आ सकते थे। चालक की इस कोशिश से संभावित बड़ा नुकसान टल गया।

लोगों ने किया हंगामा

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। गुस्साए लोगों ने टैंकर में तोड़फोड़ कर दी और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खराब स्थिति वाले भारी वाहनों को बिना उचित जांच के सड़कों पर उतारा जा रहा है, जिससे आम लोगों की जान खतरे में पड़ रही है।

चालक मौके से फरार

हादसे के तुरंत बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात व्यवस्था बहाल कराई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

MIC बैठक के बड़े फैसले: अवैध मांस-मटन कारोबार पर होगी सख्त कार्रवाई

उज्जैन ■ निसं

धार्मिक नगरी उज्जैन में नगर निगम की मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) की बुधवार को आयोजित बैठक में शहर से मांस-मटन की दुकानों को बाहरी इलाकों में शिफ्ट करने का बहुप्रतीक्षित प्रस्ताव किन्हीं कारणों से पेश नहीं हो पाया। हालांकि, परिषद ने इस बात पर कड़ा रुख अपनाया है कि नगर निगम सीमा के अंतर्गत बिना अनुमति और अवैध रूप से चल रही मांस-मटन की दुकानों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उनके खिलाफ सघन अभियान चलाकर सख्त तालाबंदी की कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त बैठक में शहर के बुनियादी विकास और सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित नागरिकों के मुआवजे से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

टीडीआर धारकों को नकद भुगतान और मुआवजा राशि मंजूर

बैठक में विकास कार्यों के लिए जमीन देने वाले भू-स्वामियों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया। शहर में विभिन्न मार्ग चौड़ीकरण परियोजनाओं के कारण प्रभावित हुए जिन संपत्ति मालिकों को नगर निगम द्वारा ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर) दिए गए थे, लेकिन वे किसी कारणवश उसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं, उन्हें अब उसके बदले तयशुदा नगद राशि का भुगतान किया जाएगा। महापौर मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में लिए गए इस निर्णय के तहत प्रभावित भवन स्वामियों को क्षतिपूर्ति के रूप में 2 करोड़ 24 लाख रुपये से अधिक की राशि बांटने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई। इसके साथ ही मिर्जा नईम बेग मार्ग पर स्थित निगम की स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीलेवल वाहन पार्किंग के संचालन ठेके के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई।

नगर निगम ने शहर के कई व्यस्त और प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण की राह आसान करते हुए प्रभावितों के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। इसमें मुख्य रूप से गैल इंडिया चौराहे से नीलगंगा मार्ग, शांति नगर से मंछामन चौराहा, सांवेर रोड पर मुनी नगर से सार्थक नगर होते हुए इंदौर रोड तक का हिस्सा, तथा हामूखेड़ी बिजासन माता मंदिर से देवास रोड तक बनने वाली सड़कों के दायरे में आने वाले भवनों के नुकसान की भरपाई की जाएगी। इस कदम से शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए चल रहे निर्माण कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है।

आगामी सिंहस्थ महाकुंभ-2028 के भव्य आयोजन को ध्यान में रखते हुए निगम ने अपनी ढांचागत तैयारियों को गति देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में हरिफाटक रेलवे ओवरब्रिज को फोरलेन में बदलने के महात्वाकांक्षी प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले बारह खोली क्षेत्र के निवासियों को उचित मुआवजा देने का फैसला किया गया है ताकि निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के समय पर पूरा हो सके।

हरिफाटक ब्रिज प्रोजेक्ट में तेजी के निर्देश

उज्जैन ■ निसं

महाकाल मंदिर आने-जाने का प्रमुख मार्ग हरिफाटक ओवरब्रिज अब चौड़ा किया जाना है। उसके समानांतर नए ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। बुधवार को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने इस निमार्णाधीन समानांतर ब्रिज, महाकाल मंदिर के समीप सड़क निर्माण कार्य और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पहले सभी जमीनी स्तर के कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि श्रावण मास प्रारंभ होने से पहले श्रद्धालुओं को आवागमन के लिए सुविधापूर्वक मार्ग उपलब्ध हो जाना चाहिए।

तीन भुजाओं में बंटकर यातायात सुधारेगा नया ब्रिजः सिंहस्थ के लिहाज से अति महत्वपूर्ण माने जा रहे इस समानांतर ब्रिज परियोजना में तीन भुजाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसमें मुख्य भुजा नीलकंठ द्वार की ओर, दूसरी भुजा महाकाल लोक की ओर तथा तीसरी भुजा बड?गर रोड की ओर जाएगी। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी को इस कार्य को समय-सीमा में पूरा करने को कहा है। इसके अलावा उन्होंने बड़ा गणेश मंदिर और हेरिटेज होटल के सामने निमार्णाधीन सड़कों का भी जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने महाकाल मंदिर के भीतर सामान्य और विशेष टिकट वाले श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था का भी अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि पिछले महज एक सप्ताह के भीतर करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निदेर्शानुसार श्री महाकालेश्वर के दरबार में आने वाले हर श्रद्धालु को बिना किसी परेशानी के सुलभ दर्शन हों, इसके लिए एक नया और बेहतर दर्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी साथ थे।

मेंहदीकुंड हत्याकांड में आरोपी को दोहरी उम्रकैद

इंदौर ■ निसं

करीब 9 साल पहले शहर के पास स्थित एक पिकनिक स्पॉट मेहंदी कुंड और नकोड़ी कुंडी के बीच युवक युवती की 200 फीट गहरी खाई में फेंक कर की गई हत्या के सनसनीखेज मामले में फैसला आया है। अपर सत्र न्यायाधीश सोनल पटेल की कोर्ट ने आरोपी बलराम पिता नवल सिंह मकवाना निवासी बसी पीपरी, महू को दोषी पाते हुए दोहरे आजीवन कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई।

पुलिस कहानी के मुताबिक घटना 6 नवंबर 2017 की है। दोपहर लगभग तीन बजे हिमांशु और श्रेया नामक लगभग बीस वर्षीय युवक युवती स्कूटर से पिकनिक स्पॉट मेहंदीकुंड घूमने निकले थे। इसी बीच आरोपी बलराम एवं अन्य इन्हें मिले। रास्ता बताने के बहाने दोनों को अपने साथ बड़िया के जंगल में नकोड़ी कुंड के पास गहरी खाई वाले स्थान पर ले गए। आरोप था कि डरा-धमकाकर, मारपीट कर इनके पास से 5200 रुपए नकद, आधार कार्ड, सोने की चेन आदि छीन लिए और इन्हें खाई में धकेल दिया। बाद में इनकी मौत हुई।

महाकाल की सवारी के हाथी का ब्लड-टेस्ट रोका: किया विरोध

उज्जैन। भगवान महाकाल की सवारी में शामिल होने वाले हाथी श्यामू को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया। पिछले करीब नौ माह से श्यामू के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं और उसका इलाज विशेषज्ञों की निगरानी में चल रहा है।गुरुवार को पन्ना टाइगर रिजर्व, इंदौर और उज्जैन की संयुक्त टीम हाथी का स्वास्थ्य परीक्षण करने और ब्लड सैंपल लेने पहुंची, लेकिन हाथी के मालिक और परिजनों ने इसका विरोध कर दिया। विवाद बढ़ने के बाद टीम बिना ब्लड सैंपल लिए लौट गई और केवल मल-मूत्र के नमूने लेकर जांच करने का निर्णय लिया।

कनाड़िया थाना क्षेत्र बंगले में भीषण आग मचा हड़कंप

इंदौर ■ निसं

इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र स्थित शिव शक्ति नगर में एक बंगले में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि रिवाज गार्डन के पीछे स्थित बंगले में एसी में शॉर्ट सर्किट के बाद ब्लास्ट हुआ, जिसके चलते आग तेजी से फैल गई।

आग लगते ही घर में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घर में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलहाल दमकल कर्मियों द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह एसी में शॉर्ट सर्किट के बाद हुए ब्लास्ट को माना जा रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस और फायर विभाग की टीम मौके पर मौजूद है। एसी में ब्लास्ट के बाद बंगले में लगी आग कनाड़िया क्षेत्र के शिव शक्ति नगर में मचा हड़कंप दमकल की टीम मौके पर जुटी और आग पर काबू पाया।

हर घर जल संरक्षण बने जनआंदोलन: महापौर ने वार्ड-9 में किया निरीक्षण

इंदौर ■ निसं

इंदौर में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने विधानसभा-1 के वार्ड-9 का दौरा कर वर्षा जल संचयन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने नागरिकों से जल संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और प्रत्येक घर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित करने का आह्वान किया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने वर्षा जल संचयन अपनाने वाले परिवारों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल भविष्य में जल संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने जल संरक्षण को आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा विषय बताया।

मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए महापौर ने नगर निगम अधिकारियों को जलभराव वाले क्षेत्रों में सुधारात्मक कार्य, नालियों की सफाई, गाद एवं कचरे की निकासी तथा ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न एजेंसियों द्वारा खोदी गई सड़कों के रेस्टोरेशन कार्य बारिश से पहले पूरा करने को कहा, ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

महापौर ने कहा कि इंदौर की पहचान केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

खजराना गणेश मंदिर में बदलाव, कॉलेज रिपोर्ट के बाद मास्टर प्लान हुआ सार्वजनिक

इंदौर ■ निसं

देश के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बड़े केंद्र, प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर के कायाकल्प का काम अब मास्टर प्लान के अनुसार शुरू होने जा रहा है। मंदिर में भक्तों की लगातार बढ़ती संख्या और उनकी सुविधा को देखते हुए पहले चरण के विकास कार्यों को हरी झंडी दे दी गई है। इस पूरे प्रोजेक्ट को इस तरह प्लान किया गया है कि मंदिर आने वाले भक्तों को दर्शन करने में कोई परेशानी न हो।

विकास कार्य के पहले चरण में सबसे पहले खजराना गणेश मंदिर के गर्भगृह के प्रवेश द्वार (गेट) की चौड़ाई को बढ़ाया जाएगा। इसके लिए द्वार पर लगी करीब 150 किलो चांदी को सुरक्षित निकालकर सरकारी खजाने (ट्रेजरी) में जमा करा दिया गया है। चांदी हटाने के बाद द्वार की मजबूती और बनावट की जांच इंदौर के एसजीएसआईटीएस कॉलेज द्वारा की गई है। कॉलेज की तकनीकी रिपोर्ट आ चुकी है, जिसके सुझावों के आधार पर अगले एक-दो दिनों में निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

रात में होगा काम, दर्शन व्यवस्था नहीं होगी प्रभावित- श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन में कोई असुविधा न हो, इसके लिए एक खास रणनीति बनाई गई है। गर्भगृह के आगे एक पारदर्शी प्लास्टिक शीट लगाई गई है ताकि काम की धूल अंदर न जाए। इसके अलावा, सारा निर्माण कार्य रात के समय किया जाएगा, जब मंदिर आम जनता के लिए बंद रहता है। पहले चरण के इन कामों पर करीब 8 से 10 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है, जिसे एक दानदाता और उनके सहयोगियों की मदद से पूरा किया जा रहा है।

यज्ञशाला और बच्चों के लिए प्ले एरिया

पुजारी पंडित अशोक भट्ट ने बताया कि मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष (कलेक्टर) शिवम वर्मा और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के मार्गदर्शन में तैयार इस पूरे मास्टर प्लान का बजट 25 से 30 करोड़ रुपए है। अगले चरणों में मंदिर के पार्किंग क्षेत्र को सुधारा जाएगा और वहां तक पहुंचने के लिए एक रोटरी बनाई जाएगी। इसके अलावा, नई गाड़ियों की पूजा के लिए एक अलग जगह, प्रसाद की दुकानों के ऊपर शेड, यज्ञशाला, वेधशाला, श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधा केंद्र और बच्चों के खेलने के लिए एक पार्क (प्ले एरिया) भी विकसित किया जाएगा।

सभा मंडप को ढाई फीट नीचे किया जाएगा

खड़े लोगों की वजह से पीछे कतार में लगे भक्तों को भगवान के दर्शन ठीक से नहीं हो पाते। इस समस्या को दूर करने के लिए गर्भगृह के सामने बने सभा मंडप को करीब दो से ढाई फीट नीचे किया जाएगा। इससे पीछे खड़े लोग, वीआईपी मेहमान और नवविवाहित जोड़े बिना किसी बाधा के बप्पा के दर्शन कर सकेंगे।

बनेगा दो मंजिला दर्शन कॉरिडोर

भक्तों की भारी भीड़ को सुव्यवस्थित तरीके से संभालने के लिए मंदिर परिसर में एक दो मंजिला दर्शन कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसमें मजबूत रेलिंग लगी होंगी। इसके साथ ही मुख्य गर्भगृह के सामने 'स्टेप दर्शन' व्यवस्था विकसित की जाएगी, कतार में खड़े हर आखिरी व्यक्ति को भगवान साफ नजर आएं।

संक्षिप्त समाचार

अभ्यास मैच में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को 5 रनों से हराया

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में 5 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप को देखते हुए ये मैच काफी अहम माना जा रहा था। इस मैच मेजबान इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को 172 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम 19.5 ओवर में 166 रन ही बना पायी। इस प्रकार उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने सबसे अधिक 68 रन बनाये। इससे पहले भारतीय टीम ने ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाये। इंग्लैंड की तरफ से एमी जोंस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों पर शानदार 64 रन बनाए।

ऋषभ सभी प्रारुप में खेलने करें ये बदलाव : किरमानी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सैयद किरमानी का कहना है कि अगर विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत तीनो ही प्रारुपों में खेलना चाहते हैं तो उन्हें अपने खेल में ये बदलाव करने होंगे। किरमानी के अनुसार ऋषभ को बल्लेबाजी के दौरान जरुरत से अधिक जोखिम से बचना होगा। इसके साफ ही अपनी फिटनेस बेहतर बनाने के अलावा दबाव में संयम बनाना होगा। ऋषभ पिछले दो साल से केवल टेस्ट मैच ही खेल रहे हैं हालांकि वह इंडियन प्रीमियर लीग यानी (आईपीएल) में टी20 क्रिकेट खेलते हैं पर उन्हें सभी प्रारुपों का बल्लेबाज माना जाता था। वहीं अब उन्हें केवल टेस्ट में ही जगह मिल रही है। सीमित ओवरों के प्रारुप में नहीं। किरमानी ने कहा, ऋषभ को अपनी फिटनेस और निरंतरता पर कड़ी मेहनत करनी होगी।

लिविंगस्टोन अब लंदन स्पिरिट की कप्तानी करते दिखेंगे

लंदन। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन अब द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में लंदन स्पिरिट की कप्तानी करते दिखेंगे। आईपीएल 2025 की विजेता टीम के सदस्य रहे लिविंगस्टोन का लक्ष्य ऐसे में लॉर्ड्स में अपनी टीम को जीत दिलाना रहेगा। लिविंगस्टोन अभी अच्छे फॉर्म में हैं और इसी कारण से उन्हें टीम की कमान सौंपी गयी है। इसकी घोषणा लंदन स्पिरिट ने एक विशेष वीडियो के जरिये की है। लिविंगस्टोन ने कहा, मैं इस गर्मी में लंदन स्पिरिट की कप्तानी करने को लेकर बेहद से उत्साहित हूं।

मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग, निमाड़ ईगल्स की एकतरफा जीत

मालवा स्टैलियंस को आठ विकेट से रौंदा

पारुष मंडल की रफ्तार के आगे बेबस हुई मालवा की टीम, मात्र 11 रन देकर चटकाए 5 विकेट; हिमांशु मंत्री ने 26 गेंदों में 60 रन कूटकर मचाया कोहराम

इंदौर ■ निसं

तेज गेंदबाज पारुष मंडल (5/11) के पंच और सलामी बल्लेबाज हिमांशु मंत्री (61 रन, 26 गेंद) के तूफानी अर्धशतक की बदौलत रॉयल निमाड़ ईगल्स ने होल्कर स्टेडियम में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग टी-20 सिंधिया कप के एकतरफा मुकाबले में मालवा स्टैलियंस को 8 विकेट से रौंद दिया। स्टैलियंस को महज 113 रनों पर समेटने के बाद ईगल्स ने विस्मयकारी बल्लेबाजी करते हुए जीत का लक्ष्य केवल 9.4 ओवरों में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। निमाड़ की टीम ने 62 गेंदें शेष रहते यह ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी रॉयल निमाड़ ईगल्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन शुरुआत की। मालवा स्टैलियंस का शीर्ष क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। स्कोर बोर्ड पर अभी एक रन भी नहीं टंगा था कि सक्षम पुरोहित (0) और अखिल निगोते यादव (0) पवेलियन लौट चुके थे। महज 29 रन के कुल योग पर टीम के 4 शीर्ष बल्लेबाज डगआउट में बैठ चुके थे।

इस संकट काल में कप्तान आशुतोष शर्मा ने खूंटा गाड़ा और जवाबी हमला शुरू किया। आशुतोष ने अपनी 38 रनों की कप्तानी पारी में मात्र 24 गेंदें खेलीं, जिसमें 1 चौका और 4 छक्के शामिल थे। उन्होंने प्रशांत कासदे (15) के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 45 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। अंत में पार्थ साहनी ने नाबाद 27 रन बनाकर टीम को 100 के पार पहुंचाया, लेकिन पूरी टीम 17.5 ओवर में 113 रनों पर ढेर हो गई।

ईगल्स की इस कड़क गेंदबाजी के महानायक रहे तेज गेंदबाज पारुष मंडल। पारुष ने मात्र 2.5 ओवर के कोटे में 1 मेडन ओवर फेंकते हुए सिर्फ 11 रन दिए और 5 बल्लेबाजों का शिकार किया। उनका इकोनॉमी रेट महज 3.90 का रहा, जिसने मालवा की रीढ़ तोड़ दी। कप्तान सारांश जैन ने भी 33 रन देकर 2 विकेट चटकाए।

114 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल निमाड़ ईगल्स के इरादे पहले ही ओवर से साफ थे। सलामी बल्लेबाज धर्मेश पटेल (11) के जल्दी आउट होने के बाद मैदान पर आए विकेटकीपर बल्लेबाज हिमांशु मंत्री ने चौके-छक्कों की बौछार कर दी। हिमांशु ने गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए मात्र 26 गेंदों में 60 रन ठोक दिए, जिसमें 4 चौके और 6 छक्के शामिल थे। उन्होंने कनिष्क दुबे के साथ दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 39 गेंदों में 75 रनों की पार्टनरशिप की। आलम यह था कि ईगल्स ने पावरप्ले में ही 76 रन बोर्ड पर टांग दिए थे। हिमांशु के आउट होने के बाद कनिष्क दुबे (26*) और आनंद बैस (16*) ने 10वें ओवर में ही टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। पारुष मंडल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

संक्षिप्त स्कोर: मालवा स्टैलियंस : 113/10 (17.5 ओवर) (आशुतोष शर्मा 38, पार्थ साहनी 27*, प्रशांत कासदे 15; पारुष मंडल 5/11, सारांश जैन 2/33, देवेंद्र सिंह 1/15)

रॉयल निमाड़ ईगल्स : 116/2 (9.4 ओवर) (हिमांशु मंत्री 60, कनिष्क दुबे 26*, आनंद बैस 16*; सचिन विश्वकर्मा 1/10, विवेक शर्मा 1/23)

ओलंपिक में विराट और वैभव को पारी की शुरुआत के लिए शामिल करे बीसीसीआई : श्रीसंत

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस. श्रीसंत भी उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से बेहद प्रभावित हैं। इसी को देखते हुए श्रीसंत ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि साल 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में भारतीय टीम की पारी की शुरुआत के लिए अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी को रखे। गौरतलब है कि साल 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों से क्रिकेट की वापसी हो रही है। जिससे लेकर क्रिकेट जगत में बेहद उत्साह है। इसमें टी20 प्रारुप में मुकाबले रखे गये हैं। इसमें भारत सहित कुल छह शीर्ष टीमों को भाग लेने का अवसर मिलेगा। श्रीसंत के अनुसार ओलंपिक खेलों के लिए विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम में रखा जाना चाहिए, और उनके साथ ही 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी मौका मिलना चाहिए। श्रीसंत के इस सुझाव के पीछे एक अनुभवी और एक युवा बल्लेबाज के मिश्रण से शीर्ष क्रम को मजबूती देने का विचार है। हालांकि, यह अनुरोध पूरा करना बीसीसीआई के लिए संभव नजर नहीं आता क्योंकि विराट ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हैं, और वैभव को भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करना है। श्रीसंत ने एक वीडियो में कहा, विराट ने जो काम किया है, वह अविश्वसनीय है। यदि हम ओलंपिक स्वर्ण की बात कर रहे हैं, तो मैं अनुरोध करता हूं कि विराट टीम में खेलें। यह सीनियर और जूनियर का एक बेहतरीन मिश्रण होगा। विराट के साथ सूर्यवंशी का उतरना अद्भुत होगा। उन्होंने कहा, चयनकर्ताओं को विराट को टी20 में बनाए रखना चाहिए, क्योंकि उनकी फिटनेस अभी शीर्ष स्तर की है। गौरतलब है कि विराट का टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है।

टी20 सीरीज के लिए हेड की जगह शामिल किये गये

भारत में जन्मे क्रिकेटर निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेलेंगे

मेलबर्न ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई टी20 क्रिकेट टीम में भारत में जन्मे निखिल चौधरी को शामिल किया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश दौरे के लिए अपनी टी20 टीम में अनुभवी बल्लेबाज ट्रेविस हेड की जगह पर निखिल को शामिल किया है। दिल्ली में जन्में निखिल अगर बांग्लादेश के खिलाफ 17 जून से शुरू होने वाली तीन मैच की टी20 सीरीज में डेब्यू करते हैं, तो वह 60 से अधिक सालों में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले भारत में जन्मे पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में भारतीय मूल के कई खिलाड़ी, जैसे गुरिंदर संधू और तनवीर संघा, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं पर इन दोनो का जन्म भारत में नहीं हुआ था। इससे पहले 1960 के दशक में गुजरात में गुजरात में जन्मे लेग-स्पिनर रेक्स सेलर्स ने 1964 में कलकत्ता टेस्ट में खेला था, और तब से कोई भी भारतीय मूल का खिलाड़ी जिसने भारत में जन्म लिया हो, ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा नहीं बना। इस लिहाज से, यदि 30 वर्षीय चौधरी अगले हफ्ते मैदान पर उतरते हैं, तो यह उनके लिए एक अविस्मरणीय पदार्पण होगा और वे एक नया इतिहास रचेंगे।

निखिल अभी ऑस्ट्रेलिया के नागरिक नहीं, बल्कि स्थायी निवासी हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सभी पात्रता मानदंडों को पूरा किया है, जिससे उन्हें ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने की अनुमति मिल गई है। दिल्ली में जन्मे चौधरी ने अपने शुरुआती करियर में पंजाब के लिए 14 सीमित ओवर मैच खेले हैं, जहाँ उन्होंने हरभजन सिंह, शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों के साथ खेले। उन्होंने आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस के साथ ट्रायल्स में भी हिस्सा लिया था। पूर्व अंतर्राष्ट्रीय ऑलराउंडर जेम्स होप्स के कहने पर उन्हें बिग बैश लीग (बीबीएल) में होबार्ट हरिकेंस में शामिल किया गया था। वह पिछले तीन सीज़न से, चौधरी हरिकेंस टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में उभरे हैं। पिछले समर में बल्ले से उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा, जहाँ उन्होंने 30.70 की औसत और 153 के स्ट्राइक-रेट से 307 रन बनाए।

टू चौहान्स, वन ड्रीम...

भारत की अंडर-19 टीम में छाए मप्र के यशबर्धन और मनल

मुंबई/ इंदौर ■ निसं

टू चौहान्स, वन ड्रीम, इंडिया अंडर-19! मध्य प्रदेश के दो युवा क्रिकेटरों ने आज इस जुमले को हकीकत में बदलते हुए राष्ट्रीय पटल पर प्रदेश का नाम रोशन कर दिया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा श्रीलंका दौरे के लिए घोषित की गई भारत की जूनियर टीम में मध्य प्रदेश के यशबर्धन सिंह चौहान और मनल चौहान ने अपनी जगह पक्की कर ली है। खास बात यह है कि चयनकर्ताओं ने यशबर्धन सिंह चौहान की असाधारण नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताते हुए उन्हें वनडे और मल्टी-डे (चार दिवसीय) दोनों टीमों की कमान सौंपी है, जबकि मनल चौहान को चार दिवसीय टीम के मुख्य स्कॉड में शामिल किया गया है।

बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया द्वारा 11 जून को जारी आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, भारतीय टीम आगामी 4 जुलाई से श्रीलंका दौरे पर तीन वनडे और दो चार दिवसीय मैच खेलेगी। इस पूरे दौरे पर भारतीय चुनौती की कप्तानी का गौरव मध्य प्रदेश के यशबर्धन के हिस्से आया है।

यशबर्धन को दोहरी कमान, मनल भी तैयार: मैदान पर अपनी सधी हुई तकनीक और कप्तानी के हुनर से प्रभावित करने वाले यशबर्धन सिंह चौहान श्रीलंका की धरती पर भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। वह सीमित ओवरों (वनडे) और लंबी अवधि (मल्टी-डे) दोनों ही प्रारूपों में भारत के मुख्य सेनापति होंगे। उनके डिप्टी (उपकप्तान) के रूप में लक्ष्य रायचंदानी को चुना गया है।

वहीं, दोनों चौहानों के एक ही सपने को पूरा करते हुए मनल चौहान ने भी अपनी धारदार खेल के दम पर भारत की मल्टी-डे टीम में अपना टिकट पक्का कर लिया है। गाले और कोलंबो की पिचों पर मनल चौहान भारतीय जर्सी में खेलते हुए नजर आएंगे। दोनों खिलाड़ियों के इस शानदार चयन से मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) और स्थानीय खेल प्रेमियों में उत्साह की लहर है।

06 जुलाई (सोमवार) : दूसरा वनडे, हम्बनटोटा 09 जुलाई (गुरुवार) : तीसरा वनडे, हम्बनटोटा 13 से 16 जुलाई (सोमवार-गुरुवार) : पहला बहु-दिवसीय मैच, गाले 20 से 23 जुलाई (सोमवार-गुरुवार) : दूसरा बहु-दिवसीय मैच, कोलंबो घोषित भारतीय जूनियर टीमें इस प्रकार हैं :-

भारत पुरुष अंडर-19 मल्टी-डे (चार दिवसीय) टीम : यशबर्धन सिंह चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), सागर विर्क, पटेल कुश, मनल चौहान, कुशाग्र ओझा, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), आर्यन संदेश सकपाल (विकेटकीपर), हेमचुदेशन जे., बीके किशोर, रोहित अनिल यादव, काव्या परेश पटेल, प्रियांशु सिंह, प्रणव राघवेंद्र, चिगुरुपति वेंकट।

व्यापार समाचार

भारत को कृषि से उद्योग की ओर बढ़ना होगा: नीति आयोग

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने भारत के कृषि क्षेत्र के लिए एक व्यापक सुधार एजेंडा पेश किया है, जिसमें मध्यम से दीर्घावधि में अधिशेष श्रम को उद्योग व सेवाओं में स्थानांतरित करने, कुशल बाजार बनाने और जिंस सब्सिडी को प्रत्यक्ष आय हस्तांतरण में बदलने पर जोर दिया गया है। उन्होंने आगाह किया कि आधी आबादी की आजीविका के लिए कृषि पर निर्भरता, जो जीडीपी का मात्र छठा हिस्सा है, संकट का कारण है। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में लाहिड़ी ने जोर दिया कि कृषि से अधिशेष श्रम को उद्योग और सेवाओं जैसे उत्पादक क्षेत्रों में स्थानांतरित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिंस-आधारित सब्सिडी को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण में बदलने की वकालत की, हालांकि इसे राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण बताया।

उद्योगों और कॉर्पोरेट्स का हरित ऊर्जा की ओर रुझान

नई दिल्ली। देश के बड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ता (सीएंडआई) अब महंगी ग्रिड बिजली की बजाय सीधे सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं से बिजली खरीद रहे हैं। 30-45 फीसदी तक की लागत बचत को मुख्य कारण बताते हुए, एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की रिपोर्ट बताती है कि वित्त वर्ष 2025 तक देश में सीएंडआई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर लगभग 45 गीगावॉट हो गई है। यह क्षमता वित्त वर्ष 2030 तक 121-134 गीगावॉट तक पहुंच सकती है, जो सात साल पहले के मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की कुल बिजली मांग में सीएंडआई उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। उद्योगों को ग्रिड बिजली के लिए प्रति यूनिट 6.6-8.7 रुपये चुकाने पड़ते हैं।

एथेनॉल वाले पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क खत्म

नई दिल्ली। पेट्रोल में उच्च एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब 22 से 30 फीसदी तक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर लगने वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इस फैसले से ग्राहकों, तेल कंपनियों और आम किसानों को सीधा फायदा पहुंचने की उम्मीद है, साथ ही देश की ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी। सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के जरिए ई22, ई25, ई27 और ई30 श्रेणी के पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क शून्य किया है।

रिपोर्ट में दावा, भारतीय कपड़ा उद्योग में लौटा दम

अमेरिकी शुल्क कम होने से मांग में तेजी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डोलाट कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी शुल्क कम होने और वैश्विक मांग में सुधार से भारतीय कपड़ा क्षेत्र में तेजी आई है। उद्योग के बुनियादी सिद्धांत मजबूत हुए और मुक्त व्यापार समझौतों से भारत की स्थिति मजबूत हुई।

भारतीय कपड़ा क्षेत्र अब सुधार के दौर में प्रवेश कर रहा है। अमेरिकी शुल्कों से जुड़ी अनिश्चितता कम होने और वैश्विक मांग में सुधार से यह संभव हुआ है। रिपोर्ट में उद्योग के बेहतर बुनियादी सिद्धांतों, मांग की स्पष्टता और अनुकूल नीतिगत विकास पर जोर दिया गया है। यह क्षेत्र अब नए आशावाद के चरण में प्रवेश कर रहा है। डोलाट कैपिटल की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2026 के अंत में एक बड़ा बदलाव आया। भारतीय कपड़ा उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क 50 फीसदी से घटकर 10 फीसदी हो गए। अमेरिकी प्रतिशोधात्मक और दंडात्मक शुल्कों के समाप्त होने से भारतीय कपड़ा क्षेत्र को बड़ी राहत मिली है। इससे व्यापार सामान्य हुआ और निर्यात की मात्रा स्थिर हुई। दंडात्मक शुल्कों को हटाने से भारतीय निर्यात की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बहाल हुई है। अमेरिकी बाजार में रुकी हुई मांग भी अब बाहर आ रही है। उद्योग के बुनियादी सिद्धांत भी काफी सुधरे हैं। कताई में क्षमता समेकन, कपास की लागत प्रतिस्पर्धा की बहाली और यार्न के प्रसार में मजबूत सुधार हुआ है। इससे पूरे मूल्य श्रृंखला में लाभप्रदता बेहतर हुई है।

क्या अमेरिकी शुल्क कम होने से भारत को फायदा हुआ?: अमेरिकी शुल्कों में कमी भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई है। पहले ये शुल्क 50 फीसदी तक पहुंच गए थे, जिससे भारतीय उत्पादों की लागत बढ़ गई थी। दंडात्मक शुल्क हटने से कुल शुल्क जो 65-69 फीसदी तक थे, वे अब काफी कम हो गए हैं। इससे भारतीय निर्यातकों को वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता वापस मिली है। अमेरिका में दबी हुई मांग भी अब सामने आ रही है, जिससे भारतीय उत्पादों की बिक्री में वृद्धि हो रही है। यह बदलाव उद्योग के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है।

उद्योग के बुनियादी सिद्धांत कैसे मजबूत हुए हैं?: रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग के बुनियादी सिद्धांतों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कताई खंड में क्षमता का समेकन हुआ है, जिससे उत्पादन दक्षता बढ़ी है। कपास की लागत प्रतिस्पर्धा भी बहाल हुई है, जिससे निर्माताओं को फायदा मिल रहा है। यार्न के प्रसार में तेज वृद्धि देखी गई है, जो लाभप्रदता को बढ़ा रही है। इन सभी कारकों ने मिलकर पूरे मूल्य श्रृंखला में बेहतर लाभ सुनिश्चित किया है। यह सुधार उद्योग को भविष्य के लिए मजबूत आधार प्रदान कर रहा है।

भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में कैसे मजबूत हो रहा है?: भारत यूके, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख बाजारों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। ये समझौते उद्योग को संरचनात्मक सहायता प्रदान करेंगे। वैश्विक खरीदार अब बांग्लादेश और कंबोडिया जैसे शुल्क-मुक्त राष्ट्रों पर निर्भरता कम कर रहे हैं। वे अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की कोशिश में हैं।

लीडकॉन 2026 का सफल आयोजन

दो दिवसीय कार्यक्रम में छात्रों को करियर, नेतृत्व एवं उद्योग जगत की आवश्यकताओं की दी गई जानकारी

भोपाल ■ निप्र

जय नारायण कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (जेएनसीबीएम), भोपाल में मैनेजमेंट एसोसिएशन (बीएमए) के सहयोग से दो दिवसीय 'लीडकॉन 2026' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन प्राचार्य डॉ. नेहा शर्मा के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर निर्माण, नेतृत्व विकास तथा उद्योग जगत की वर्तमान आवश्यकताओं से अवगत कराना था।

कार्यक्रम में चार प्रतिष्ठित मानव संसाधन (एचआर) विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्रों का मार्गदर्शन किया। इनमें अमेरिका स्थित नेटलिंक सॉफ्टवेयर ग्रुप की एचआर प्रोफेशनल मोनिका सांगवानी, आदित्य बिड़ला रियल एस्टेट के एचआर एवं औद्योगिक संबंध

(आईआर) विशेषज्ञ अनिल दुबे, जीआरआई एचआर सॉल्यूशंस के एचआर सलाहकार विजय जी. जैन तथा ल्यूपिन लिमिटेड की पूर्व एचआर प्रमुख विंसी सेबेस्टियन शामिल थीं।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रोजगार की तैयारी, साक्षात्कार में सफलता, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल तथा कॉर्पोरेट जगत की अपेक्षाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

MADHYA PRADESH STATE AGRICULTURAL MARKETING BOARD
26, Arera Hills, Jail Road, Bhopal
Board/Nirman/P.Cell./CGP/2 TPH/26-27/53 Date: 10.06.2026

NOTICE INVITING TENDER

Online Lump-Sum Rate E-Tenders are invited from the eligible bidders for Supplying, Installing, Commissioning, Testing, Operation, Repair and Maintenance of 2 ton per hr. (TPH) Cleaning, Grading & Packaging Plant in 120 APMCs of Madhya Pradesh with all the required amenities and allied structure for it and then maintain and operate it satisfactory for one (1) year from the date of final completion. (Tender Number : 2026_MPSAM_514801) (PAC amount Rs. 3480.00 Lakh). The following Tender to be received online **up to 05:00 PM on 03.07.2026.** Technical bid documents with EMD & Financial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the **http://mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in.**
Note :- Any corrigendum in this NIT, if required, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of project and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**

EXECUTIVE ENGINEER (PROJECT CELL)
M.P. Madhyam/126319/2026

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति सिलवानी, जिला-रायसेन
क्र./मंडी/निर्माण/2025-26/114 सिलवानी, दिनांक : 10.06.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति सिलवानी 'घ' श्रेणी मंडी द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी.ओ.टी.) के तहत तौलकांटा की स्थापना एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमियम के आधार पर निविदा सिस्टम क्रमांक 2026_MPSAM_514754_1 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदायें दिनांक 12.06.2026 को 11:30 बजे से दिनांक 03.07.2026 को शाम 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.gov.in** पर भी अवलोकनीय होगी।
नोट :- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति
सिलवानी, जिला-सिलवानी

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति
सिलवानी, जिला- रायसेन

म.प्र. माध्यम/126323/2026

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल रायसेन म0प्र0
Office No. 07482-298572 , Email ID. – jsdjrsn@mp.gov.in
पत्र क्र. 755 /निर्वाह/2026 रायसेन, दिनांक 08 /06/2026

ई–टेण्डरिंग निविदा सूचना
वर्ष 2026–27
(तृतीय आमंत्रण)

म.प्र. जेल पूर्ति नियम 1968 एवं म.प्र. भण्डार क्रय करने नियम 2015(यथा संशोधित–2022) के अंतर्गत जिला जेल रायसेन में परिरूद्ध बंदियों हेतु खाद्यान्न, सब्जियां, दवाईयां एवं भवन निर्माण सामग्री इत्यादि क्रय करने हेतु तृतीय वार्षिक ई निविदा विज्ञप्ति निम्नानुसार जारी की जाती है।

ई–निविदा कार्यक्रम का विवरण

क्र.	विवरण	दिनांक व समय	स्थान
01	प्री–विड मीटिंग	दि. 23.06.2026 दोपहर 12:00 बजे	कार्यालय जेल अधीक्षक जिला जेल रायसेन
02	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	दि. 25.06.2026 शाम 05:30 बजे तक	वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर फार्म ऑनलाईन क्रय किये जा सकेगें।
03	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दि. 25.06.2026 शाम 05:30 बजे तक	वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत की जावेगी।
04	नमूने जमा करने की अंतिम तिथि (उक्त दिनांक को नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण भी किया जावेगा)	दि. 25.06.2026 [illegible] 12:30 बजे तक	कार्यालय जेल अधीक्षक जिला जेल रायसेन
05	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	दि. 29.06.2026 दोपहर 12:30 बजे तक	कार्यालय जेल अधीक्षक जिला जेल रायसेन
05	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दि. 06.07.2026 दोपहर 12:30 बजे तक	कार्यालय जेल अधीक्षक जिला जेल रायसेन

ई–निविदा की विस्तृत जानकारी वेबसाईड www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
ई–निविदा में किया गया कोई भी संशोधन वेबसाईड www.mptenders.gov.in पर अपलोड किया जावेगा, इसकी सूचना पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही की जायेगी।

जेल अधीक्षक
जिला जेल रायसेन

G14212/26

एडिशनल एसपी कमलेश कुमार खरपुसे को भावभीनी विदाई, अधिकारियों और कर्मचारियों ने दी शुभकामनाएं

रायसेन ■ निसं

बैतूल स्थानांतरण होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे को भावभीनी विदाई दी गई। सांची रोड स्थित एक होटल, और पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित कार्यक्रमों में अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और मीडियाकर्मियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

विदाई समारोह में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, एडीएम मनोज उपाध्याय, डीएफओ प्रतिभा शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने श्री खरपुसे का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया।

कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि रायसेन में पदस्थ रहते हुए कमलेश कुमार खरपुसे ने कई जटिल मामलों का सफलतापूर्वक निराकरण किया। उनका व्यवहार सरल, सहज और सहयोगात्मक रहा तथा उन्होंने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने कहा कि उनके रायसेन में पदभार संभालने के समय कई गंभीर और चुनौतीपूर्ण मामले लंबित थे। ऐसे समय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरपुसे ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए मामलों के निराकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने विभाग में छोटे-बड़े सभी कर्मचारियों को सम्मान और मार्गदर्शन दिया।

एडीएम मनोज उपाध्याय ने कहा कि श्री खुरपुसे के व्यवहार में कोई इगो नहीं थी जब भी उनका फोन करते थे तो वह काफी सहज और सरल भाषा में हमेशा तत्पर रहते थे।

अपने संबोधन में कमलेश कुमार खरपुसे ने कहा कि रायसेन में उन्हें सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन का भरपूर स्नेह और सहयोग मिला। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रायसेन की यादें हमेशा उनके साथ रहेंगी। इस अवसर पर एसडीएम मनीष शर्मा, रायसेन एसडीओपी प्रतिभा शर्मा, औबेदुल्लागंज एसडीओपी शीला सुराणा, बेगमगंज एसडीओपी सोनाली गुप्ता, बाड़ी एसडीओपी नीलम चौधरी, नगर पालिका सीएमओ सुरेखा जाटव,यातायात प्रभारी लता मालवीय, कोतवाली थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृषक सेवा संस्थान द्वारा आयोजित विदाई एवं बधाई कार्यक्रम में संस्थान के प्रमुख डॉ. एच.बी. सेन, अनिल भंवरे, कोच दिनेश दिवाकर तथा स्थानीय मीडियाकर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्री खरपुसे को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके सफल कार्यकाल की सराहना की गई तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं।गौरतलब है कि रायसेन में पदस्थापना के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए हाल ही में प्रतिष्ठित रुस्तमजी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

शास. पॉलीटेक्निक कॉलेज में द्वितीय चरण में प्रवेश 18 जून 2026 तक

रायसेन। रायसेन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में संचालित तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को 10वी के आधार पर प्रथम वर्ष में प्रवेश देकर सीधे इंजीनियर बनने का अवसर देता है।तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश की ऑनलाइन काउंसिलिंग एवं रजिस्ट्रेशन के द्वितीय चरण का पंजीयन 18 जून 2026 तक चल रहा है।शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रायसेन में सिविल ब्रांच, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली. कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग संचालित हैं। प्राचार्य डॉ एसपी कोरी ने बताया कि इस वर्ष से डिप्लोमा उत्तीर्ण होने के उपरांत एनईपी के तहत माध्यमिक षिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा 12वीं समकक्ष मान्य किया गया है।इसलिए डिप्लोमा के साथ 12वीं की समकक्षता है।डिप्लोमा उत्तीर्ण करने के बाद बीटेक हेतु द्वितीय वर्ष में प्रदेश के प्रतिष्ठित कॉलेज मे सीधे प्रवेश का अवसर है।वर्तमान समय मे किसी भी कंपनी या पीएसयू मे किसी तकनीकी डिप्लोमा के साथ कोडिंग स्किल की आवशकता होती है, जिससे नौकरी प्राप्त करना सरल हो जाता है।इस उद्देश्य से संस्था मे कोडिंग लैब प्रारंभ की गई है।अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप संस्था के डिप्लोमा विद्यार्थियो को तैयार होने हेतु विदेशी भाषा सीखने हेतु 'सुभाष' पहल के अंतर्गत अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है एवं सक्षम बनाया जा रहा है।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के प्रथम चरण का आवंटन जारी विद्यार्थियों को 15 तक जमा करना होगा प्रवेश शुल्क

रायसेन। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत एनसीटीई पाठ्यक्रमों (बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड. आदि) के प्रथम चरण का महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिया गया है।प्रथम चरण में पात्र अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं।आवंटित अभ्यर्थियों को प्रवेश सुनिश्चित करने के लिये 15 जून 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 64,641 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 59,113 आवेदनों का सत्यापन किया गया।प्रथम चरण में 32,918 अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं।उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि वे अपने लॉगिन के माध्यम से आवंटन की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित समय-सीमा में शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें।निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा नहीं करने पर आवंटन निरस्त माना जाएगा तथा सीट आगामी चरणों के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

सारिपुत्र एवं महामोदग्लायन के पवित्र अस्थि अवशेषों की मंगोलिया प्रवास उपरांत स्वदेश वापसी

भगवान गौतम बुद्ध के सिद्धांतों को विश्व में प्रवाहित कर रहे मोदी : मंत्री परमार

रायसेन ■ निसं

भगवान गौतम बुद्ध के परम् शिष्यों सारिपुत्र एवं महामोदग्लायन के पवित्र अस्थि अवशेष मंगोलिया के 10 दिवसीय प्रवास के उपरांत गुरुवार को राजा भोज विमानतल, भोपाल से सांची पहुंचे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा पवित्र अस्थि अवशेषों एवं प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधि मंडल का स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। विमानतल पर सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर पवित्र अस्थि अवशेषों का श्रद्धा भक्ति के साथ स्वदेश में आत्मीय स्वागत अभिनन्दन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंत्री, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा इन्दर सिंह परमार उपस्थित रहे। इस ऐतिहासिक अवसर पर महाबोधि सोसायटी श्रीलंका, साँची के बड़े गुरु पूज्य बान गल उप तिस्स नायक थेरो, छोटे गुरु पूज्य बान गल विमल तिस्स थेरो, अपर मुख्य सचिव - संस्कृति विभाग शिवशेखर शुक्ला, संचालक संस्कृति एन.पी. नामदेव एवं मंगोलिया प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधि मंडल में इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फेडरेशन (आईबीसी) के संचालक कर्नल यश सक्सेना, इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फेडरेशन के एक्जीक्यूटिव एडमिन रोहित यादव, राष्ट्रीय संग्रहालय के डॉ. विमल कुमार एवं राकेश कुमार उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, संस्कृति विभाग शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि यह गौरवपूर्ण अवसर है कि सारिपुत्र एवं महामोदग्लायन के पवित्र अस्थि अवशेष मंगोलिया की यात्रा कर पुन: हमारे बीच पहुंचे हैं। इन पवित्र अस्थि अवशेषों को विश्व में जहां भी बौद्ध समुदाय के देश हैं, उन तक पहुंचाना हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी के व्यक्तिगत प्रयासों से संभव हो सका है। जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि इस समय विश्व में जैसा माहौल हो रहा है उसमें युद्ध की नहीं, बुद्ध की आवश्यकता है। मंगोलिया प्रवास के दौरान गंदन मठ में पवित्र अस्थि अवशेषों को रखा गया एवं एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ लिए।

मंगोलिया के श्रद्धालुओं ने पवित्र अवशेषों के दर्शन एवं श्रद्धांजलि अर्पित की

उल्लेखनीय है कि पवित्र अस्थि अवशेषों की यात्रा भोपाल से 28 मई, 2026 को प्रारंभ हुई।31 मई 2026 को मंगोलिया की बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर इन पवित्र अवशेषों को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोला गया।30 मई 2026 को असम के माननीय राज्यपाल महामहिम लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मंगोलिया के शिक्षा मंत्री महामहिम एंख-अमगलान तथा गंदन तेगचेनलिंग मठ के परम पूज्य खंबा नोमुन खान गेशे ल्हारामपा डी. जावजंदोर्ज को औपचारिक समारोह में ये पवित्र अवशेष सौंपे।इस प्रदर्शनी की घोषणा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2025 में मंगोलिया के राष्ट्रपति महामहिम उखनागिन खुरेलसुख की भारत यात्रा के दौरान की थी।भारत और मंगोलिया रणनीतिक साझेदार होने के साथ-साथ बौद्ध धर्म की साझा विरासत से जुड़े आध्यात्मिक सहोदर राष्ट्र हैं।इस प्रदर्शनी ने मंगोलिया के बौद्ध अनुयायियों को भगवान बुद्ध के दोनों प्रमुख शिष्यों के पवित्र अवशेषों के दर्शन एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने का दुर्लभ अवसर प्रदान किया।दस दिनों की इस प्रदर्शनी के दौरान मंगोलिया के विभिन्न भागों से लगभग एक लाख श्रद्धालुओं ने इन पवित्र अवशेषों के दर्शन किए।अब तक इन पवित्र अवशेषों को केवल थाईलैंड और मंगोलिया में ही सार्वजनिक प्रदर्शनी हेतु भेजा गया है।

इस अवसर पर महाबोधि सोसायटी श्रीलंका, साँची के पूज्य बड़े गुरु जी बान गल उप तिस्स नायक थेरो ने अपने आर्शीवचन में कहा कि मैं आभारी हूं भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश सरकार का, जिनके प्रयासों से भगवान बुद्ध के परम शिष्य सारिपुत्र एवं महामोदग्लायन के पवित्र अस्थि अवशेषों के दर्शन दुनिया भर के बौद्ध अनुयायी कर पा रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भगवान गौतम बुद्ध ने जिस प्रवाह को आगे बढ़ाया था आज उस प्रवाह को हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी विश्व भर में आगे बढ़ा रहे हैं। वे वासुदेव कुटुंबकम् के विचार को विश्व भर में प्रचारित कर रहे हैं। विश्व एक परिवार है, लोगों ने बाजार बनाने की कोशिश की। भगवान बुद्ध के शिष्यों ने भारतीय परम्परा ने अपनी मान्यताओं को संकुचित दायरे में नहीं रखा, निष्पक्ष रूप देने के साथ मानवता का जो संदेश दिया है, यही संदेश भारत की सनातन परम्परा के प्रवाह में यही मूल संदेश चाहिए है। आज गर्व का विषय यह है कि उस प्रवाह और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रख पा रहे हैं। विश्व के जिन देशों तक भगवान बुद्ध का संदेश पहुंचा है उस देश के साथ हमारा कभी टकराव नहीं हो सकता, क्योंकि उनसे तो हमारा सांस्कृतिक सम्बन्ध है।

नाना काल भैरव उर्फ सुनील सराठे के भाई

अनिल सराठे को उसके मामा के यहां से पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायसेन ■ निसं

सांचेत गांव के कालभैरव धाम के नाना काल भैरव उर्फ सुनील सराठे के भाई अनिल सराठे को देवनगर पुलिस ने विदिशा जिले के ग्यारसपुर के खेरुआ से उसके मामा के घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को रायसेन कोर्ट में पेश किया, जहां सुनवाई के बाद न्यायालय ने उसे जेल भेजने के आदेश दिए। वहीं मुख्य आरोपी बाबा सुनील सराठे उर्फ नाना काल भैरव अभी भी फरार है। उसकी तलाश में पुलिस की टीम लगातार सर्चिंग कर रही है।

देवनगर पुलिस के अनुसार अनिल सराठे के खिलाफ मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे बाबाब सुनील सराठे को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

पत्नी ने दर्ज कराया था मामला: सुनील सराठे की पत्नी आरती सेन ने देवनगर थाने में बाबा और उसके भाई अनिल सराठे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया था।

27 मई की मारपीट से शुरू हुआ विवाद: जानकारी के अनुसार 27 मई की रात गांव में नाना कालभैरव उर्फ सुनील सराठे, उसकी पत्नी आरती सेन और पड़ोसी रामप्रसाद विश्वकर्मा के बीच विवाद हो गया था। आरोप है कि विवाद के दौरान लाठी-डंडों से हमला किया गया। घटना में रामप्रसाद विश्वकर्मा सहित विश्वकर्मा समाज के कई लोग घायल हुए थे। रामप्रसाद के सिर में गंभीर चोट आई थी। घटना के बाद विश्वकर्मा समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अस्पताल में हंगामा किया था। दूसरी ओर सुनील सराठे ने भी पड़ोसियों और विश्वकर्मा समाज के लोगों पर मारपीट के आरोप लगाए थे। मामले में दोनों पक्षों की शिकायतों पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था।

अस्पताल से फरार हो गया था बाबा: मारपीट की घटना के बाद सुनील सराठे को उपचार के लिए भोपाल भेजा गया था, लेकिन वह अस्पताल से ही फरार हो गया। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही है, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग पाया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होगा सामूहिक योग कार्यक्रम

रायसेन, निप्र। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं।

निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुरूप आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों को योग दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, 21 जून को आयोजित गतिविधियों की एकत्रित प्रतिवेदन रिपोर्ट 24 जून 2026 तक उच्च शिक्षा विभाग को भेजने के लिए कहा गया है। उच्च शिक्षा विभाग का उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

बेकाबू आयशर ने बाइक को टक्कर मारी

लोगों ने पीछा किया तो तेज रफ्तार में दौड़ाते हुए अंडे की दुकान में घुसा, दो लोग घायल

रायसेन ■ निसं

रायसेन शहर के सागर तिराहे पर बुधवार रात करीब 12:30 बजे एक तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने बाइक और अंडे की दुकान को कुचल दिया। ट्रक ने पहले सड़क किनारे खड़ी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो लोग घायल हो गए।

दौड़ाते हुए अंडे की दुकान में घुसा: इसके बाद चालक ट्रक लेकर मौके से भागने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक का पीछा कर उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने ट्रक की रफ्तार और बढ़ा दी। भागते समय सागर रोड स्थित बिजली कंपनी कार्यालय के सामने ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे स्थित एक अंडे की दुकान में जा घुसा।

दुकान के पास उस समय कुछ लोग बैठे हुए थे, लेकिन उन्होंने समय रहते वहां से हटकर अपनी जान बचा ली। हालांकि ट्रक की टक्कर से दुकान को काफी नुकसान पहुंचा है।

ट्रक को जब्त कर थाने में रखवाया: घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। गुस्साए लोगों ने ट्रक में सवार दो लोगों को बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि ट्रक

कलेक्टर ने जिले में जनकल्याण शिविरों के प्रभावी और सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

वीसी के माध्यम से शिविर आयोजन की तैयारियों, राजस्व और सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की समीक्षा कर दिए निर्देश

रायसेन ■ निसं

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरूवार को आयोजित बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ तथा सीएमओ को 12 जून से आयोजित हो रहे जनकल्याण शिविरों के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविरों में आमजन की समस्याओं का शीघ्र निराकरण हो और पात्र नागरिकों को सुगमता से योजनाओं का लाभ मिले, यह सुनिश्चित कराएं। शिविर स्थल पर स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, सामाजिक न्याय, पंचायत विभाग, महिला बाल विकास सहित अन्य विभागों के द्वारा स्टॉल लगाते हुए विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही हितलाभ वितरण किया जाएगा।

बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में कलेक्टर विश्वकर्मा ने राजस्व प्रकरणों, फार्मर रजिस्ट्री, गिरदावरी, सीएम हेल्पलाईन सहित अन्य कार्यो की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम और तहसीलदारों को नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार गिरदावरी कार्य की तहसीलवार समीक्षा करते हुए गिरदावरी कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की भी समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम को नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में सबंल योजना के लंबित आवेदनों, निकायों की सीएम हेल्पलाईन निराकरण की मॉनीटरिंग, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में श्रमिकों का पंजीयन कराने और पीएम आवास के सत्यापन कार्य की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर मनोज उपध्याय तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

जनजागरूकता पर विशेष आयोजन करने पर बल दिया गया

विदिशा ■ निसं

नशामुक्त भारत अभियान की निहित बिन्दुओं की प्राप्ति के लिए विशेष पहल की जा रही है इसके लिए जिला व विकासखण्ड स्तर पर स्थानीय भौगोलिक संरचनाओं के आधार पर कार्ययोजना तय की गई है। जिला स्तरीय बैठक गुरूवार को अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी, स्वंयसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा स्कूल शिक्षा व उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

अपर कलेक्टर श्री डामोर ने कहा कि जिले में नशामुक्त अभियान के उद्धेश्यो की प्राप्ति के लिए जनजागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन ग्राम स्तरो पर आयोजित किया जाए। आमजनो की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित कराने के लिए शपथ कार्यक्रमो का विशेष तौर पर आयोजन किया जाए। उन्होंने इस प्रकार के कार्यक्रम स्कूल और कॉलेजो में भी आयोजित करने पर बल दिया है।

पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने कहा कि जिले में मादक पदार्थो का विक्रय ना हो इसके लिए सप्लायरो पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने गोपनीय सूचना देने वालो का नाम उजागर नहीं करने से आश्वस्त कराते हुए कहा कि हर स्तर पर सूचनाएं प्राप्ति के लिए जिला व विकासखण्ड स्तरो पर विशेष पहल की जाएगी। बैठक में नशामुक्त केन्द्र के माध्यम से संपादित किए जाने वाले कार्यो की भी जानकारियां प्रस्तुत की गई। इस दौरान बतलाया गया कि इन केन्द्रो में बच्चो को रखने की व्यवस्था नहीं है अत: भोपाल में बच्चों को रखने के लिए विशेष प्रबंध क्रियान्वित किए जाए। खासकर ऐसे बच्चे जो अल्पआयु में नशा से ग्रस्त हो गए है उन्हें नशे से विमुक्त कराने के लिए किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में भी विचार विमर्श कर निर्णय लिए गए है। बैठक में स्वंयसेवी संस्थाओ के साथ-साथ अन्य के द्वारा नशामुक्त समाज की परिकल्पना को सार्थक करने के लिए आवश्यक प्रबंधो पर सुझाव सांझा किए गए है।

बैठक में औषधि निरीक्षक ने जानकारी दी कि एविल इंजेक्शन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लगातार मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण एवं जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नियमित निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार से इन दवाओं का उपयोग नशे के उद्देश्य से न हो सके।

नवागत एसडीएम हर्षल चौधरी ने किसानों की सुनी समस्याएं

गैरतगंज / रायसने ■ निसं

गैरतगंज के नवागत अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) हर्षल चौधरी ने किसान संगठनों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर किसानों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक का उद्देश्य किसानों की शिकायतों को सुनकर उनके त्वरित एवं नियमानुसार निराकरण की दिशा में आवश्यक कदम उठाना रहा। बैठक के दौरान एसडीएम चौधरी ने किसान प्रतिनिधियों से उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करना प्रशासन की

प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे आमजन और किसानों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखें तथा उनकी शिकायतों का निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निराकरण करें।

बैठक में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नरेश सिंह राजपूत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पूजा जैन, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी गोविंद नामदेव, खाद्य अधिकारी संगीता बंजारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। किसान संगठनों की ओर से मुकेश धाकड़, मिट्ठूलाल मीना, व्यापारी संघ के प्रतिनिधि नीरज जैन तथा क्षेत्र के अनेक किसान भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के अंत में प्रशासन और किसान प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए नियमित संवाद बनाए रखने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित।: संपादक- डी.पी.गोयल ।मो.9827054436, 9826735596. व्यवस्थापक: श्याम अग्रवाल, भोपाल कार्यालय : 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।